डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 29 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

लोहड़ी, मकर संक्रान्ति और बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

जयपुर, शनिवार, 21 जनवरी 2023

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

website: www.hsnews.in

(जागो जेडीए जागो)

गोपालपुरा बायपास के "स्पेशल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट" पर पुनः विचार करे जयपुर विकास प्राधिकरण

मुख्यमार्ग गोपालपुरा बायपास पर कमर्शियल पट्टा वितरण की तैयारी से पहले ज़ीरो सेटबैक की सभी बिल्डिंग्स को ध्वस्त करे जेडीए और स्पेशल डवलेपमेंट प्रोजेक्ट पर पुनर्विचार करे।

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। टीचर भर्ती परीक्षा की सैकंड ग्रेड पेपर लीक माफ़ियाओं के अधिगम कोचिंग संस्थान के ध्वस्तीकरण के कारण ही सही लेकिन आज गोपालपुरा बाइपास की अव्यवस्थाएँ और अतिक्रमण और अवैध निर्माण पूरे देश की दृष्टि में आ ही गए साथ ही नज़र में आई है बिल्डिंग बाइलॉज का उल्लंघन करती बहुमंज़िला अवैध अनगिनत बिल्डिंगें और कोचिंग बायलॉज का उल्लंघन करते ढेरों कोचिंग संस्थान।

हिलव्यू समाचार लगातार 7-8 माह से इस ख़बर के सभी ऐंगल्स को कवर करते हुए शासन और प्रशासन दोनों को चेताता चला आ रहा है कि यहाँ 99% बिल्डिंग्स बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करके बनी है और कोचिंग संस्थान कोचिंग बायलॉज की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं लेकिन न शासन के पास समय है और न ही प्रशासन मुस्तैद है इन सभी अव्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए। हज़ारों बच्चों का भविष्य बिगड़ रहा है। स्कूल का अस्तित्व मात्र 8-10वीं क्लास तक रह गया है जिसमें भी कोचिंग ने सैंध लगा दी है कि छठी कक्षा से ही कोचिंग के बैच बनने शुरू हो गए हैं। बचपन ख़त्म और भागदौड़ शुरू। कोचिंग का मायावी संसार एक अलग मुद्दा है जिस पर सरकार को अब गहनता से सोचने की आवश्यकता है कि हज़ारों बच्चों की आँखों में सपना भरते ये कोचिंग संस्थान कहीं भविष्य के साथ खिलवाड़ तो नहीं कर रहे? क्यों लगातार बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं?

हिलव्यू समाचार

अधिगम संस्थान ही नहीं पूरा गोपालपुरा बायपास है अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों का अड्डा

14 जनवरी 2022 का अंक। गोपालपुरा बायपास के अवैध निर्माणों व अव्यवस्थाओं की वास्तविकता लगातार हिलव्यू समाचार में प्रकाशित

गुर्जर की थड़ी, गोपालपुरा बायपास भू. सं. 34 सुखविहार अधिगम कोचिंग संस्थान से सटी ज़ीरो सेटबैक अवैध बिल्डिंग जिसे कल 20 जनवरी को ध्वस्त कर दिया गया। हिलव्यू समाचार ने अपने डिजिटल चैनल पर 10 जनवरी को यह प्रश्न उठाया था कि इस ज़ीरो सेटबैक अवैध इमारत को क्यों नहीं गिराया गया अधिगम कोचिंग के साथ?

मीडिया के यक्ष प्रश्नों का जवाब मिला और यह अवैध इमारत भी ध्वस्त हुई।

- अवैध निर्माण, अतिक्रमण और बढ़ते कोचिंग व्यापार ये चारों मुद्दे ही सरकार के लिए गम्भीर चिंतन का विषय हैं जिसने राजधानी में भ्रष्टाचार की दुकानें खोल दी हैं और इन दुकानों ने शासन और प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया है।निःसन्देह शासन-प्रशासन की मिलीभगत के बिना कुछ भी सम्भव नहीं।
- इस वक्त जो कार्यवाही गोपालपुरा बायपास पर जेडीए कर रहा है वह प्रशंसनीय है। अगर यह बुलडोज़र नहीं रुका तो अवैध निर्माणकर्ताओं,अतिक्रमणकारियों पर नकेल कसी जा सकती है।

गोपालपुरा बायपास पर खड़ी हर बिल्डिंग पर निग़ाह दौड़ाएं तो आप पाएंगे कि...

- अधिकांश बिल्डिंग ज़ीरो सेटबैक पर बनी हैं
- ज़्यादातर बिल्डिंग्स बिना निगम या जेडीए की स्वीकृति के बनी हैं।
- अगर स्वीकृति ले भी ली तो स्वीकृति और मौक़े की स्थिति में बड़ा अंतर है।
- चूंकि स्वीकृति नहीं है तो फायर एनओसी नहीं है।
- पार्किंग का कोई स्थान नहीं सड़कें घेरी हुई हैं।
- अगर बिल्डिंग किराए पर है तो किरायानामा नहीं है और अगर है तो किरायेदार कोई और है रह या काम कोई और कर रहा है।
- बिल्डिंग बायलॉज के नियमों का कोई पालन नहीं।
- कोचिंग संस्थान कोचिंग बायलॉज का पालन नहीं कर रहे।
- ज़्यादातर बिल्डिंग में बैसमेन्ट हैं जहाँ हज़ारों बच्चे पढ़ते हैं या वहाँ कमर्शियल एक्टिविटी हो रही है जो नियमों के ख़िलाफ़ है।
- ज़्यादातर बिल्डिंग में आने-जाने का एक ही रास्ता है, आगजनी या दुर्घटना हो जाये तो निकास स्थान ब्लॉक हो सकता है।
- स्ट्रीट फ़ूड,ठेले,बुक्स स्टॉल से सड़कें सिकुड़ गयी हैं।
- प्राइम टाइम पर ट्राफ़िक की स्थिति नियंत्रण के बाहर हो जाती है।
- गोपालपुरा बायपास पर यातायात की तरफ से कोई व्यवस्था नहीं है।
- मुख्य मार्ग से सटे सभी नगर और कॉलोनियाँ पीजी,हॉस्टल्स,ढाबे,कैफ़े या सलून्स का गढ़ बन गए हैं।
- हर मकान बहुमंज़िला मकान बन गया है जिसमें लगभग 15-20 विद्यार्थी हर मकान में रहते हैं।
- असामाजिक गतिविधियाँ बढ़ गयी हैं।
- रात को हर गली में अज़नबी लोगों का आवागमन और गतिविधियाँ बढ़ रही हैं।

हिलव्यू समाचार

हिलव्यू समाचार का 14 अगस्त 2022 प्रकाशित अंक, जिसमें सरकार को स्पेशल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर पुनर्विचार करने के लिए चेताया गया।

हिलव्यू समाचार

आख़िर क्यों?

14 अगस्त 2022 हिलव्यू समाचार के पृष्ठ 8 पर गोपालपुरा बायपास पर फैले अवैध निर्माणों की झलक और ज़ीरो सेटबैक की बिल्डिंग्स।

21 अगस्त 2022

हिलव्यू समाचार

दिल्ली का वर्तमान कहीं राजस्थान का भविष्य तो नहीं?

गोपालपुरा बायपास पर खड़ी अवैध ज़ीरो सेटबैक बिल्डिंग्स जो बिल्डिंग बायलॉज की धज्जियाँ उड़ा रहीं हैं उन्हें स्पेशल डवलेपमेंट प्रोजेक्ट डवलप कर आवासीय होने के बावजूद कमर्शियल पट्टे देना शासन और प्रशासन को कटघरे में खड़ा करता है।

28 अगस्त 2022

हिलव्यू समाचार

गोपालपुरा बाईपास

हज़ारों विद्यार्थियों की जान ख़तरे में!

होटल सफ़ारी,सर्जन्स एनक्लेव सहित सड़कों पर पार्किंग घेरती ज़िरो सेटबैक अवैध बिल्डिंग्स और सड़कों पर कोचिंग्स से छूटते हज़ारों बच्चे जो ट्राफ़िक जाम का कारण बनते हैं।

28 अगस्त 2022

हिलव्यू समाचार

जब नोएडा ट्विन टावर ज़मींदोज़ हो सकता है तो देश की हर अवैध बिल्डिंग ध्वस्त की जा सकती है किंतु सिर्फ़ ईमानदार शासन-प्रशासन और जागरूक जनता की इच्छा शक्ति पर

प्रभावशाली लोगों द्वारा बिना स्वीकृति के परकोटे में खड़ी की गईं अवैध बहुमंज़िला इमारतें और कॉम्प्लेक्स । जिसमें नाना जी हवेली (जयपुर कॉलेज) मुख्य उदाहरण है। हाईकोर्ट की अवमानना कर मनीराम जी की कोठी सहित 143 हवेलियों को ज़मीदोज़ कर अवैध खड़ी बिल्डिंग्स। सरकार की इच्छा शक्ति,प्रशासन की मुस्तैदी और जनता की जागरूकता ट्विन टावर गिरा सकती है तो यह अवैध इमारतें क्यों नहीं गिर सकतीं?

ख़बर-बेख़बर

चौड़ी सड़कों से सकड़ी तंग ग़लियों में सिमटता राजापार्क

राजापार्क

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जयपुर एक आधुनिक इमारतों के साथ-साथ विरासतों से लबरेज़ राजस्थान की राजधानी है। गुलाबीपन लपेटे यहाँ की इमारतें विदेशी पर्यटकों को हमेशा से लुभाती रहीं हैं।

परकोटे की सुंदरता हो या वर्ल्ड ट्रेड पार्क की भव्यता,जीटी का आधुनिक वैभव से भरा मार्केट हो या किशनपोल,नेहरू बाज़ार,लिंक रोड़,बापू बाज़ार की तंग गलियों में बिखरी रंग-बिरंगी संस्कृति राजधानी के इन सभी मिले-जुले रूपों ने जयपुर को विशेष शहर बना ही दिया। कोई भी मेला हो,उत्सव हो,वार हो त्यौहार हो राजधानी का हर बार नया रंग होता है जोश होता है उत्साह होता है।

इसी भव्यता में एक नाम राजधानी की धड़कन के रूप में उभरा राजापार्क जो मुख्य मार्ग जेएलएन के बेहद क़रीब, बिरला मन्दिर के पीछे,तिलकनगर से चलता हुआ ,एलबीएस कॉलेज के रोड़ पर से गुरुनानकपुरा में टहलता,पंचवटी सर्कल को घेरता हुआ जवाहर नगर, आदर्शनगर,गोविंदमार्ग,फ्रंटीयर कॉलोनी,सिंधी कॉलोनी सभी को अपने में समेटता चला गया।

शांतिपथ पर स्थित पत्रकार कॉलोनी पत्रकारों को सालों पूर्व समर्पित की गई। जिसमें आज भी कई नामी-गिरामी पत्रकार निवास करते हैं।

राजापार्क एक शौक़ीन मिज़ाज़, मस्तमौला लोगों का क्षेत्र है। पंजाबी तड़के से तेज़-तर्राट राजापार्क आज शॉपिंग का हब होने के साथ-साथ खाने-पीने की दुकानों,ढाबों,होटल्स,कैफ़े का बड़ा स्थान है। रात को 12 बजे बाद भी यहाँ कुछ न कुछ खाने पीने को मिल सकता है।

तो आइए कल से लेकर आज तक के राजापार्क की शक़्ल को कागज़ पर कलम से उतारते हैं-

- क्या राजापार्क,आदर्शनगर, जवाहरनगर,सिंधी कॉलोनी, फ्रंटीयर कॉलोनी,गोविंद मार्ग, गुरुनानकपुरा पंचवटी सर्कल का यही प्रतिरूप प्रस्तावित था?
- क्या राजापार्क का व्यापार मंडल, जनप्रतिनिधि, विधायक, प्रतिष्ठित लोग कभी राजापार्क की शांति व व्यवस्था पर गंभीर चिंतन करते है?
- सालों पूर्व यहाँ पत्रकार कॉलोनी बसाई गयी तो क्या यहाँ पत्रकारों ने राजापार्क की खूबसूरती को बरक़रार रखने के लिए समय-समय पर आवाज़ उठाई?
- राजापार्क रिहायशी पॉश इलाक़ा माना जाता था क्या आज भी माना जाता है?
- राजापार्क के सड़कों की साइज़ सामान्यतया 40 से 60 थी कुछ मुख्य मार्गों की 60-80 लेकिन क्या आज यह साइज़ नज़र आती है?
- क्या राजापार्क में लोगों की भीड़ और वाहनों का जमावड़ा इसके सौन्दर्य को प्रभावित करता है?
- क्या राजापार्क भीड़ भरा और शोरगुल वाले बाज़ार में बदल गया है?
- राजापार्क में बसने वाले क्या सभी लोग राजापार्क के आज के वर्तमान रूप से ख़ुश हैं?
- क्या राजापार्क दूषित और प्रदूषित वातावरण में घिरता जा रहा है?
- क्या यहाँ की शान्ति को नज़र लग गयी है?
- क्या वास्तव में राजापार्क राजधानी का राजा है आज भी?

और भी कई प्रश्न है जो हिलव्यू समाचार लेकर आएगा डिजिटल माध्यम से आपके बीच और आपसे ही जानेगा राजापार्क के कल आज और आने वाले कल के बारे में...तब तक जुड़े रहिये www.hsnews.in हिलव्यू समाचार की वेबसाइड व डिजिटल एप्प से लगातार।

हिलव्यू समाचार की ख़बर का असर

कोर्ट के आदेशों की अवमानना कर खड़ी की थी G+5 बिल्डिंग

गोपालपुरा बायपास पर अधिगम संस्थान से सटी अवैध बिल्डिंग भी हुई ज़मीदोज़

आदर्शनगर नगर निगम जोन द्वारा प्लॉट न. 204 फ्रंटीयर कॉलोनी, ए-36 सेठी कॉलोनी अवैध बिल्डिंग्स हुई सील

ट्रिब्यूनल ने आदेश अवैध निर्माण हटाकर फिर निर्माण करने के लिए दिये थे लेकिन मालिक ने सीलमुक्त आदेश का फ़ायदा उठाकर अवैध G+5 बना लिया

कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। 14 जनवरी के प्रकाशित अंक और 10 जनवरी को हिलव्यू समाचार के डिजिटल चैनल एचएस न्यूज़ में हिलव्यू समाचार ने प्रश्न उठाया था कि- **अधिगम के बिल्कुल सटकर खड़ी बिल्डिंग भी ज़ीरो सेटबैक पर बनी है इसे क्यों छोड़ दिया जेडीए ने? प्रकाशित अंक के मुख्य पृष्ठ पर अंकित था कि 'अधिगम संस्थान ही नहीं पूरा गोपालपुरा बायपास है अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों का अड्डा'**

अंत में जेडीए ने कल शुक्रवार 20 जनवरी 2022 को अधिगम कोचिंग संस्थान से सटी हुई बिल्डिंग को धराशाही कर दिया।

अवैध क्यों थी बिल्डिंग

जोन 5 में गुर्जर की थड़ी पर आवासीय योजना सुखविहार में 296 वर्गगज के भूखंड संख्या 34 में निर्माणकर्ता ने जेडीए स्वीकृति के बिना ज़ीरो सेटबैक पर बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन कर G+5 बिल्डिंग तैयार कर ली जबकि नियमानुसार पूर्व दिशा में 15 फीट पश्चिम दिशा में 10 फीट उत्तर दिशा में और गोपालपुरा बायपास मुख्य सड़क की ओर आगे की तरफ 20 फीट सेटबैक स्पेस छोड़ना था अवैध बिल्डिंग की जानकारी मिलने पर 24 फरवरी 2020 को जेडीए द्वारा नोटिस जारी का निर्माण बंद करवाया गया था। नोटिस के जवाब में भूखंड स्वामी अपने जवाब से जेडीए को संतुष्ट नहीं कर सका और जेडीए ने 13 जनवरी 2021 को ईंटों की दीवार चुनवाकर इमारत सील कर दी उसके बावजूद भवन मालिक ने अवैध निर्माण मनमर्जी से जारी रखा और सीलिंग की कार्यवाही के विरुद्ध निर्माणकर्ता ने कोर्ट में अपील दायर कर दी। कोर्ट ने सारी सुनवाई के बाद प्रार्थी को राहत देते हुए 17 अक्टूबर 2022 को इस इमारत को 7 दिवस के लिए सील मुक्त किया गया ताकि एक माह में प्रार्थी अपने द्वारा किया गया अवैध निर्माण हटाये और फिर नियमों के अनुसार सही निर्माण हो लेकिन उसके बावजूद अवैध निर्माण नहीं हटाया गया और तो और प्रार्थी जो कि अवैध निर्माणकर्ता भी था उसने स्वयं के स्तर पर बिल्डिंग को सीलिंग मुक्त कर लिया और उस पर सील मुक्त लिखकर स्वतंत्र हो गया और अवैध निर्माण को अंज़ाम दे दिया। वर्तमान में इसी अवैध निर्माण के आधार पर सम्पूर्ण कार्यवाही करते हुए जेडीए ने बिल्डिंग को ज़मीदोज़ कर दिया।

सम्पादकीय

जातीय गणना के राजनीतिक प्रभाव, विकसित राष्ट्र बनने का सपना वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के बिना नहीं होगा साकार

बिहार सरकार ने सात जनवरी से राज्य में जातीय गणना शुरू कर दी है। उसके इस फैसले ने पूरे देश में एक नई बहस छेड़ी है। यह पहल कई नए राजनीतिक समीकरणों की ओर भी संकेत कर रही है। इसका कारण है कि पिछले कुछ समय से देश के विभिन्न कोनों से जातीय गणना की मांग जोर पकड़ती रही है। आर्थिक आधार पर आरक्षण वाली व्यवस्था यानी ईडब्ल्यूएस कोटे के अस्तित्व में आने के बाद आरक्षण को लेकर खींची गई सुप्रीम कोर्ट की लक्ष्मण रेखा लांघे जाने के बाद जातिगत आधार पर अधिकारों की मांग खासी तेज हुई है। वास्तव में, मोदी सरकार ने 2019 में ईडब्ल्यूएस कोटे में जो 10 प्रतिशत आरक्षण दिया, उससे कई राज्यों में आरक्षण की सीमा निर्धारित 50 प्रतिशत के दायरे के पार चली गई है। इसके चलते कई वर्षों से जातिगत आधार पर विभिन्न अधिकारों की मांग कर रहे वर्ग नए सिरे से मुखर हुए हैं। वहीं अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी के मसले पर गठित जस्टिस रोहिणी आयोग को लगातार मिलता विस्तार भी कहीं न कहीं यही संकेत करता है कि उसके निष्कर्ष अभी तक किसी परिणति पर नहीं पहुंचे हैं। ऐसे में बिहार सरकार की इस कवायद को कई कड़ियों से जोड़कर देखा जा रहा है। जैसे कि मोदी सरकार द्वारा जनगणना को संभवतः इस कारण टालना कि कहीं उस संदर्भ में जातीय गणना की मांग और तेज न हो जाए।

इस साल कई राज्यों में चुनाव होने हैं और उनकी राजनीति पर इस मुद्दे की छाप दिखाई पड़ेगी। राजनीतिक दलों ने इसकी गंभीरता को समझना भी शुरू कर दिया है। उदाहरण के रूप में कर्नाटक को ही लें, जहां इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। कर्नाटक सरकार ने गत नवंबर में एक विधेयक पेश किया, जिसके माध्यम से अनुसूचित जातियों (एससी) के आरक्षण की सीमा 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 17 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए तीन प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत करने का प्रविधान था। छत्तीसगढ़ में भी एसटी के लिए आरक्षण की सीमा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 32 प्रतिशत और ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने की तैयारी है। झारखंड तो इस मामले में सबसे आगे निकलता दिख रहा है, जहां एसटी आरक्षण 26 से बढ़ाकर 28 प्रतिशत, ओबीसी आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत और एससी आरक्षण 10 से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करने की योजना है, जो फिलहाल राज्य सरकार, राज्यपाल और अदालती पेच में फंसी हुई है।

एससी, एसटी और ओबीसी जैसे वर्गों के लिए आरक्षण की सीमा में फेरबदल के बीच जाट, गुर्जर, मराठा और पाटीदार जैसे तमाम वर्गों को भी उनकी मांगों के अनुरूप समायोजित करने का दबाव बना रहेगा। जाहिर है कि जातीय गणना के बाद कुछ वर्ग अपनी मांग को लेकर दबाव बनाएंगे और उस स्थिति में 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा पर भी नए सिरे से विचार करना होगा।

ऐसा न समझा जाए कि जातीय गणना को लेकर नीतीश कुमार का हृदय सत्ता में साझेदार बदलने के साथ एकाएक परिवर्तित हुआ। जब वह भाजपा के साथ मिलकर सरकार चला रहे थे तो उस समय नेता-प्रतिपक्ष रहे तेजस्वी यादव के साथ वह इस मुद्दे पर एक प्रतिनिधिमंडल लेकर प्रधानमंत्री मोदी से मिले भी थे। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी या उनकी सरकार की ओर से इस विषय में कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई थी, लेकिन तब नीतीश कुमार ने कहा था कि उन्हें प्रधानमंत्री से जातीय गणना को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं।

जातीय गणना का मुद्दा पूरी तरह बेमानी नहीं है। देश में 1931 के बाद से जातीय गणना नहीं हुई है और यदि अब होती है तो उससे तमाम वास्तविकताओं का पता चलेगा, क्योंकि वस्तुनिष्ठ आंकड़ों की अपनी उपयोगिता होती है। इससे यह भी पता चलेगा कि अभी तक चले आ रहे जातिगत आरक्षण के लाभ कहां तक पहुंचे हैं? प्रायः यह कहा जाता है कि एससी और ओबीसी आरक्षण का लाभ मुख्य रूप से इन वर्गों की कुछ जातियों तक ही सिमटकर रह गया है और तमाम अन्य जातियों को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया है। जातिगत गणना से सामने आनी वाली वास्तविकता से इन विसंगतियों को दूर करने में मदद मिल सकेगी। इससे कोटे के भीतर उसके पुनर्गठन की मांग भी जोर पकड़ सकती है। इसका एक दूसरा पहलू भी है और वह यह कि चूंकि सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों से लेकर सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में अवसर सीमित होते जा रहे हैं तो जातीय गणना के बाद निजी क्षेत्र की कंपनियों और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की गाहे-बगाहे उठने वाली मांग को भी नई धार मिल सकती है।

अभी यह कह पाना मुश्किल है कि जातीय गणना के राजनीतिक निहितार्थ क्या होंगे और इससे किसे लाभ होगा और कौन नुकसान में रहेगा। अभी तक भाजपा ने इस पर एक तरह से मौन साधकर संतुलित रुख ही अपनाया है। वहीं विपक्षी दलों की दृष्टि से देखें तो उन्होंने जातीय गणना के आधार पर एक नया विमर्श खड़ा करने में सफलता हासिल की है, जिससे भाजपा कुछ रक्षात्मक नजर आ रही है। असल में पिछले कुछ वर्षों के दौरान भाजपा ने एससी और ओबीसी की छोटी-छोटी जातियों को लामबंद किया है और सरकार की तमाम कल्याणकारी योजनाओं से ये जातियां प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से लाभान्वित भी हुई हैं। इसके साथ ही पिछले कुछ वर्षों के दौरान ओबीसी वर्गों में ही कुर्मियों, निषाद और राजभर आदि जातियों की प्रतिनिधि पार्टियां भी उभरी हैं और बड़े राजनीतिक दलों ने उनके हिसाब से समीकरण बिठाने शुरू भी कर दिए हैं। ऐसे में जातीय गणना के राजनीतिक प्रभावों का कोई स्पष्ट आकलन करना जल्दबाजी होगा।

रिश्तों में दूरियाँ बढ़ा रहा मोबाइल

LIFESTYLE जोन

मोबाइल के कारण फैमिली पर ध्यान नहीं दे पाने की समस्या आज बहुत आम हो चली है. सोशल नेटवर्किंग साइट्स मानवीय रिश्तों व संवेदनाओं में सेंध लगा रही हैं और इसका प्रभाव पति-पत्नी के बीच आपसी संबंधों में भी देखा जा सकता है. आज पार्टनर के बीच बातें बहुत कम होती हैं, उनके दरम्यान मोबाइल आ जाता है और दूरियां बढ़ा देता है. पति-पत्नी साथ होने पर भी उनके बीच एक अजीब सा सन्नाटा पसरा रहता है, जो धीरे-धीरे रिश्तों में उत्साह और प्रेम को भी खत्म कर देता है.

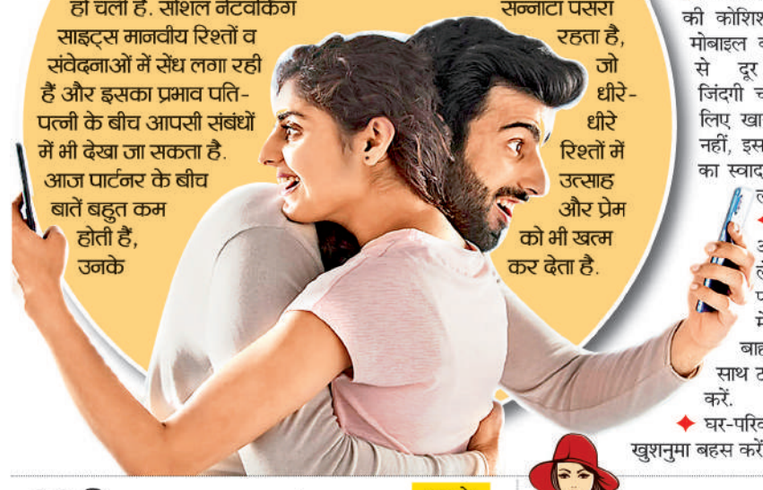

- यदि आपके पार्टनर भी इंटरनेट की गिरफ्त में हैं तो उनकी इस लत को छुड़ाने के लिए उनके साथ अधिक से अधिक समय बिताएं.
- घर में मोबाइल देखने का समय फिक्स करें. सोशल मीडिया या गेम के लिए मोबाइल का यूज ऐसे समय ही करें जब दोनों में से कोई एक अपने किसी पर्सनल काम में बिजी हो.
- खाना-नाश्ता साथ में ही करने की कोशिश करें. उस समय मोबाइल को अपने से दूर रखें. जिंदगी चलाने के लिए खाने से ज्यादा जरूरी कुछ भी नहीं, इसलिए पूरी एकाग्रता से भोजन का स्वाद लें, मोबाइल को बीच में न लाएं.
- छुट्टी के दिन मोबाइल को भी आराम करने दें, उससे दूरी बना लें. अवकाश के दिन अपने पार्टनर के साथ घूमें-फिरें, थिएटर में भी कभी-कभी मूवी देखें, बाहर खाना खाने जाएं. सुबह-शाम साथ टहलें और विभिन्न मुद्दों पर बात करें.
- घर-परिवार की विभिन्न जिम्मेदारियों पर खुशनुमा बहस करें. साथ में ज्यादा से ज्यादा हंसी-खुशी के पल बिताने की कोशिश करें. मोबाइल के प्रति जुड़ाव कम होगा तो आपके प्रति बढ़ेगा.
- जब आप दोनों साथ हों तो हाथ में मोबाइल न लें. बहुत जरूरी कॉल ही उठाएं. अगर बात करनी ही पड़े तो लंबी बातचीत अवाइड करें. याद रखें, कहीं ऐसा न हो कि गैरों से मोबाइल पर रिश्ते निभाने के चक्कर में अपने जीवनसाथी से ही दूर हो जाएं! सोशल मीडिया की पावर इतनी है कि दुनिया के किसी भी इंसान से आपको मिलवा सकती है और आपको आपके परिवार के साथ रहते हुए भी उनसे दूर कर सकती है.

फैशन ट्रेंड समय-समय पर चेंज होते रहते हैं. ऐसे में ब्लाउज हो या ड्रेस, स्लीव्स की लंबाई व डिजाइन में भी बदलाव होते रहते हैं. आइए जानते हैं अलग-अलग तरह की कुछ ट्रेंडी स्लीव्स डिजाइन के बारे में, जो आजकल ट्रेंड में हैं. स्टाइलिश स्लीव्स आपको आकर्षक लुक देगी.

स्टाइलिश स्लीव्स बनाएगी आकर्षक

किमोनो

किमोनो स्लीव्स जापानी किमोनो लोकल ड्रेस से प्रेरित है. ये चौड़े, लंबे और ढीले होते हैं. यह पश्चिमी और भारतीय दोनों पोशाकों के लिए एक आकर्षक ऑप्शन है. ब्लाउज और टॉप दोनों के लिए ये स्लीव्स अच्छी हैं.

बिशॉप

बिशॉप स्लीव्स फुल स्लीव्स की होती है, कोहनी के पास फिट होती है, और फिर कलाई तक नीचे की ओर खुलती है. बटन के साथ अंत में एक कफ बनाती है. वेस्टर्न टॉप और वनपीस ड्रेस में ये स्लीव्स अच्छी लगती है.

ऑफ शोल्डर

ऑफ शोल्डर स्लीव्स ट्रेंड को आए हुए भले ही काफी समय हो गया हो, लेकिन फिर भी ये पुराना नहीं हुआ है. ये कंधे की हड्डी से थोड़ा नीचे शुरू होती है. यह सभी लंबाई और आकारों में आती है. साड़ी और लहंगे के ब्लाउज, टॉप, मैक्सी सभी में ये स्लीव्स अच्छी लगती हैं.

पफ्ड

ट्रेडिशनल आउटफिट, शॉर्ट टॉप, ट्यूनिक और शर्ट पर ये पफ्ड स्लीव्स अच्छी लगती हैं. ये आस्तीनें छोटी होती हैं और उन्हें पफी दिखने के लिए एक साथ इकट्ठा किया जाता है.

एंजेल स्लीव्स

इस तरह की स्लीव्स वेस्टर्न और इंडियन दोनों तरह के आउटफिट पर कमाल लगती हैं. हाईनेक ड्रेस के साथ इस तरह की स्लीव्स अच्छी लगती हैं.

हॉबी अपनाएं तरोताज़ा हो जाएं

घर के कामों से ऊब गई तो ऐसे हो सकती हैं रिफ्रेश

यदि रोज कुछ समय हॉबी को दिया जाए तो इससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है. साथ ही दिमाग नई चीजों के लिए तैयार होता है. जानते हैं कुछ ऐसी ही हॉबीज के बारे में...

बुनाई

यदि शांत रहकर अपना फोकस बढ़ाना चाहती हैं तो बुनाई को आप एंजॉय कर सकती हैं. यह बहुत ही अच्छी हॉबी है, जो आपमें धैर्य के गुण को भी बढ़ाने में मदद करेगी.

बॉक्सिंग

बॉक्सिंग किक पर पंच मारना न केवल आपकी डिफेंस स्किल को मजबूत करेगा, बल्कि आपको स्ट्रॉन्ग भी बनाएगा. इसे स्पोर्ट्स हॉबी से आप रिफ्रेश महसूस करेंगी.

डांस

डांस क्लास जॉइन करके आप खुद को रिफ्रेश महसूस करेंगी. यदि आपके पास बाहर जाकर क्लास जॉइन करने का समय नहीं है, तो इस हॉबी को आप ऑनलाइन भी निखार सकती हैं.

भाषा सीखें

नई भाषा सीखना भी रुचिकर होगा. इससे आप उस भाषा में दक्षता तो हासिल करेंगी, साथ ही अलग-अलग बैकग्राउंड के लोगों से बात करने का अवसर भी मिलेगा.

BEAUTY जोन

त्वचा की दुश्मन ये सर्द हवाएं

सर्द मौसम में त्वचा अक्सर रूखी और फटी हो जाती है. ऐसे में त्वचा को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत पड़ती है. त्वचा के फटने को आप कुछ उपायों से रोक सकती हैं.

- **क्लींजिंग :** कच्चे दूध को कॉटन की मदद से स्किन पर लगाएं. इससे त्वचा को नमी मिलेगी. उसके बाद गुनगुने पानी से स्किन साफ करें. ध्यान रहे कि अधिक गर्म पानी त्वचा के तेल को खत्म करता है, इसलिए उस का प्रयोग न करें.
- **मॉइश्चराजर :** अपनी त्वचा के लिए शीया बटर युक्त मॉइश्चराइजर का उपयोग करें. यदि आप बाहर जा रही हैं तो एसपीएफ 30 सनब्लॉक से त्वचा को कोट करें.
- **कवर करें :** खासतौर पर अगर टू-व्हीलर पर जा रहे हैं तो अपने चेहरे को भी कॉटन कपड़े से ढक कर रखें. ग्लव्स और मोजे पहनें. त्वचा को खुली न छोड़ें.

चॉकलेट काजू पफ पेस्ट्री

सामग्री : 2 कप मैदा, 1 चुटकी नमक, 1/2 कप ठंडा बटर, आवश्यकतानुसार ठंडा पानी, भरावन के लिए 10-12 काजू, आधा कप डार्क चॉकलेट, दो बड़े चम्मच बटरस्कॉच नट.

विधि: एक कटोरे में मैदा, नमक और थोड़ा बटर डालें और अंगुलियों की मदद से मिलाएं. ठंडा पानी डालकर नरम आटा तैयार कर लें. इसे ढककर एक घंटे के लिए फ्रिज में रख दें. फिर आटे को निकालें और बेलन की सहायता से रोटी जैसा गोल बना लें. बीच में बटर रखकर उसके 3 फोल्ड करें, फिर उसे बेल लें. उसके बाद फिर तीन फोल्ड करके 30 मिनट के लिए फ्रिज में सेट होने के लिए रख दें. उसे फ्रिज से निकालें और फिर बेलकर 3 फोल्ड करके और फ्रिज में आधा घंटे रख दें. ऐसा 4-5 बार करें. अब पेस्ट्री शीट को आधा काटकर उसमें काजू, बटरस्कॉच नट, घिसी हुई चॉकलेट भरें. पानी की सहायता से उसके किनारों को पैक करें. पैन में तेल गर्म करें और सुनहरा होने तक उसे तल लें.

बड़े काम का '2 मिनट ब्रेक'

ऑफिस में लगातार काम करते रहने से शरीर थक जाता है. इससे ध्यान भटकने लगता है. कंप्यूटर पर ज्यादा देर देखने से आंखों में जलन होने लगती है. ऐसे में 2 मिनट का ब्रेक लेना भी खड़ी राहत दे सकता है. शरीर को रिलैक्स मिलता है और मूड फ्रेश होता है. इसके बाद दोबारा काम की शुरुआत करने से काम बेहतर होता है. दिमाग भी ठीक रहता है.

कैसे रिफ्रेश हों

- अपनी चेयर से उठें और आसपास 2 मिनट वॉक करें. आई एक्सरसाइज कर सकते.
- अपनी चेयर पर बैठे-बैठे कुछ स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करें. मसल्स को आराम मिलेगा.
- किसी को फोन भी करना है तो वॉक करते हुए कॉल कर सकते.
- अपने पास कोई प्रेरक किताब रखें. उसके एक-दो पेज भी पढ़ सकते हैं.

TODAY'S रेसिपी

जिंजर कैरेट सूप

सामग्री - दो छोटे टुकड़ों में कटा हुआ गाजर, 1 छोटा चम्मच जीरा पाउडर, 2 चम्मच ऑलिव ऑयल, 2 कप कोकोनट मिल्क, 4 लौंग, 1 छोटा टुकड़ा अदरक, 1 छोटे टुकड़ों में कटा हुआ प्याज, नमक (स्वादानुसार), 1 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, 1 छोटा चम्मच दालचीनी पाउडर, 7-8 बारीक कटी हुई लहसुन की कलियां.

विधि- गैस पर एक पैन रखकर उसमें 2 चम्मच ऑलिव ऑयल गर्म करके कटी हुई प्याज डालें. ब्राउन होने के बाद लहसुन को भी भून लें. इसके बाद काली मिर्च पाउडर, दालचीनी पाउडर, जीरा पाउडर और नमक स्वादानुसार मिलकर भूनें. इसमें अब कटे हुए गाजर और अदरक डाल दें. इसके बाद लौंग डालकर 7 से 10 मिनट तक भूनें. इसमें कोकोनट मिल्क डाल दें. इसे ढककर 15 से 20 मिनट तक अच्छी तरह पकने दें. गैस को ऑफ कर दें. ब्लेंडर की मदद से सूप को अच्छी तरह ब्लेंड कर लें. अपने अनुसार सूप की कंसिस्टेंसी बड़ा और घटा सकते हैं. इसे धनिया की पत्तियों से गार्निश करके सर्व कर दें.

बीटरूट ओट्स टिक्की

सामग्री : आधा कप उबला और कद्दूकस किया हुआ चुकंदर, 1 कप ओट्स , 1\4 कप कटा हुआ प्याज, 1\2 कप कद्दूकस किया हुआ पनीर, 1\2 कप कद्दूकस किया आलू, 1 छोटा चम्मच कटी हरी मिर्च, नमक स्वादानुसार, 1 छोटा चम्मच काला नमक, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1\2 छोटा चम्मच गरम मसाला, 2 बड़े चम्मच नींबू का रस, 1 छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर, तिल और तलने के लिए तेल.

विधि : एक बर्तन में सारी सामग्री डालें और अच्छी तरह मिलाएं. उसकी छोटी-छोटी चपटी टिक्की बनाएं. उन पर दोनों तरफ से काले व सफेद तिल लपेटें. 10-15 मिनट अलग रख दें. इन्हें कढ़ाही में सुनहरा भूरा होने तक तल लें. नाश्ते में उन्हें हरे धनिए के चटनी के साथ परोसें.

एक नज़र

दिव्या मित्तल रिश्वत प्रकरण

लालच ने मरवाया... मित्तल को मिलना था सम्मान, हुईं सस्पेंड

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने वाली एएसपी दिव्या मित्तल को गृह विभाग ने आदेश जारी कर सस्पेंड कर दिया है।

विभाग ने दिव्या के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर में दर्ज अभियोग संख्या 13/2023 धारा 7 और 7A भ्रष्टाचार निवारण संशोधित अधिनियम 2018 और धारा 120 बी, आईपीसी में गिरफ्तार करने का हवाला दिया है। 16 जनवरी को एसीबी की ओर से गिरफ्तार की गई आरपीएस अधिकारी अभी पुलिस अभिरक्षा में है। इसलिए राजस्थान सिविल सेवा नियम 1958 के नियम 13 (2) में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिव्या मित्तल को 16 जनवरी 2023 से तुरंत प्रभाव से निलंबित करने के आदेश हुए है। सस्पेंशन काल आरपीएस अधिकारी को मुख्यालय डीजीपी कार्यालय रहेगा।

अभी रिमांड पर आज कोर्ट में पेशी

दिव्या मित्तल को एसीबी ने 17 जनवरी को अजमेर कोर्ट में पेश किया था। अब उन्हें आज फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। कोर्ट ने दिव्या का तीन दिन का रिमांड दिया था, जो शुक्रवार को पूरा होगा। हालांकि, दिव्या ने एसीबी को कुछ खास नहीं बताया है। एसीबी अधिकारी कोर्ट से आज और रिमांड मांग सकते हैं। अभी एससपी के लिए पूरे मामले में रिश्वत की डील करने वाले दलाल सुमित एसीबी के हत्थे नहीं चढ़ा है।

सम्मानित करने जा रही थी एसओजी

मित्तल को राजस्थान एसओजी उत्कृष्ट कार्य करने पर 27 जनवरी को सम्मानित करने जा रही थी। सूची में 20वें नंबर पर मित्तल का नाम था, लेकिन भ्रष्टाचार मामले में नाम सामने आने के बाद मुख्यालय से जारी हुई नई सूची में दिव्या मित्तल का नाम सम्मानित किए जाने वाले अधिकारियों की सूची में से हटाया गया।

हाउसिंग बोर्ड ने हटाया अतिक्रमण

27 करोड़ की जमीन मुक्त करवाई

जयपुर(हिलव्यू समाचार)। हाउसिंग बोर्ड ने प्रतापनगर की एनआरआई कॉलोनी में काश्तकारों के 30 से भी अधिक वर्षों पुराने कब्जे हटवाकर उन्हें मौके पर पट्टे भी देकर दशकों पुरानी समस्या का निस्तारण किया गया। खाली कराई लगभग 4 हजार वर्ग मीटर भूमि का बाजार मूल्य करीब 27 करोड़ रुपए है। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा के निर्देश पर बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सुबह ही मंडल के अधिकारियों के दल और पुलिस जाप्ते के साथ एनआरआई कॉलोनी पहुंचे। अधिकारियों ने 10 खातेदारों को 6 पट्टे वितरित किए गए। उसके बाद वर्षों पुराने कब्जे को ध्वस्त किया गया। गौरतलब है कि अरोड़ा से पूर्व भी कई मंडल आयुक्तों ने संबंधित भूमि से काश्तकारों के कब्जे हटाने की अनेक बार कार्रवाई की, लेकिन मंडल कभी भी कब्जा हटाने में कामयाब नहीं हो सका। कॉलोनी से अतिक्रमण हटने के बाद स्थानीय निवासियों ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि काश्तकारों के कब्जे हटने से कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो सकेगी।

कर्मचारी संगठनों के साथ बजट पूर्व सीएम गहलोत ने किया संवाद

OPS के फैसले पर राज्य सरकार अडिग

हिलव्यू समाचार

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कर्मचारियों के भविष्य की सुरक्षा को देखते हुए मानवीय दृष्टिकोण से ओपीएस को पुनः लागू किया। ओपीएस लागू होने से कर्मचारी भविष्य की चिंता से मुक्त होकर जिम्मेदारी के साथ कार्य कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओपीएस के फैसले पर राज्य सरकार अडिग है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी राज्य सरकार का एक अभिन्न अंग हैं।

सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के निचले स्तर तक प्रभावी क्रियान्वयन में कर्मचारी एक अहम कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। हमारी सरकार राज्य कर्मचारियों के हित में निरंतर कार्य कर रही है।

बुधवार को शासन सचिवालय में कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद में गहलोत ने कहा कि कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से सरकार की सुशासन की संकल्पना पर असर पड़ता है तथा आमजन के कार्यों में अनावश्यक रूप से देरी होती है। संवाद कायम होने से विभिन्न प्रकार की समस्याओं का हल आसानी से समयबद्ध रूप से किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारी संगठन अपने महत्वपूर्ण सुझावों के माध्यम से आगामी बजट को समावेशी एवं लोक कल्याणकारी बना सकते हैं। बजट के लिए राज्य सरकार सभी वर्गों के प्रतिनिधियों से सुझाव ले रही है। राज्य सरकार का प्रयास रहेगा कि उनके सकारात्मक सुझावों को बजट में शामिल किया जाए। बजट को जन केन्द्रित बनाने की दिशा में कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के सुझाव भी उपयोगी साबित होंगे।

कर्मचारी हित में उठाए गए कदमों के लिए दिया मुख्यमंत्री को साधुवाद

विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने बजट पूर्व संवाद में उन्हें आमंत्रित करने पर मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। प्रतिनिधियों ने ओपीएस को फिर से लागू करने, आरजीएचएस, मंत्रालयिक कर्मचारियों की नई भर्तियों एवं अन्य समस्याओं के समाधान की दिशा में उठाए गए कदमों, विसंगतियों को दूर कर पदोन्नति की राह खोलने सहित महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए राज्य सरकार को साधुवाद दिया।

सरकार-कर्मचारियों में संवाद जरूरी

गहलोत ने कहा कि सरकार तथा कर्मचारियों के बीच निरंतर संवाद होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों को पदोन्नति के अवसर पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके लिए आवश्यकता पड़ने पर वर्ष में दो बार डीपीसी को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि 51 सेवा नियमों को अपडेट किया गया है। वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन (एसीआर) को ऑनलाइन करने के साथ ही ऑटो अप्रूवल प्रक्रिया भी लागू की गई है। गहलोत ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति के नियमों में भी शिथिलन देकर राज्य सरकार द्वारा नियुक्तियां दी गई हैं।

आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने संभाला पदभार

इस बार भी जयपुर ही करेगा आईपीएल मैचों की मेजबानी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने के बाद वैभव गहलोत ने बुधवार को पूजा अर्चना कर पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करते ही वैभव गहलोत ने कहा कि इस बार भी जयपुर में आईपीएल मैच का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर ट्रेनिंग के साथ अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्लेटफार्म देना पहली प्राथमिकता रहेगी।

इसके लिए जयपुर के साथ अब जोधपुर और उदयपुर को भी क्रिकेट सेंटर के तौर पर विकसित करेंगे। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत ने कहा कि सीपी जोशी ने एक बार फिर से राजस्थान की क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए मुझे मौका दिया है। राजस्थान की क्रिकेट को नए आयाम पर ले जाना मेरा पहला मकसद होगा। आरसीए के इतिहास में पहली बार बनी निर्विरोध कार्यकारिणी में वैभव गहलोत लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पद के लिए कार्यभार संभाला।

उपाध्यक्ष शक्ति और सचिव भवानी ने संभाली जिम्मेदारी

उपाध्यक्ष पद के लिए शक्ति सिंह, सचिव पद पर भवानी समोता, कोषाध्यक्ष पद पर रामपाल शर्मा, संयुक्त सचिव पद पर राजेश भड़ाना और कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर फारूक अहमद भी पदभार ग्रहण किया। इस दौरान सभी ने जिला संघों को साथ लेकर क्रिकेट और खिलाड़ियों के विकास का दावा किया।

रवि बिश्नोई को मिलेगा सम्मान

वैभव ने कहा कि आरसीए में क्षेत्रवाद या जातिवाद के आधार पर खिलाड़ियों का सिलेक्शन नहीं किया जाता है। रवि बिश्नोई को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा साढ़े 3 महीने पहले सम्मानित किया जा चुका है।यह फैसला चयनकर्ता और टीम करती है. रवि बिश्नोई को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से सभी सुविधाएं दी जा रही हैं। जोधपुर में ही बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ उन्हें मंच पर जगह दी गई। ऐसे में कुछ लोग बेवजह इस विवाद को तूल देने में जुटे हुए हैं। दरअसल हाल ही में जोधपुर में चल रहे रणजी मैच के दौरान भी प्लेइंग इलेवन में रवि बिश्नोई का सलेक्शन नहीं होने के बाद सलेक्शन पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

केंद्र एवं राज्य सरकार के मध्य हुआ एमओयू

जामड़ोली में खुलेगा राजस्थान का पहला कंपोजिट रीजनल सेंटर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार की सेवाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य में प्रथम कंपोजिट रीजनल सेंटर की स्थापना जामड़ोली, जयपुर में की जाएगी। इस संबंध में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के मध्य समझौता पत्र साइन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली की उपस्थिति में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के मध्य समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

केंद्र सरकार की ओर से मनीष वर्मा, निदेशक राष्ट्रीय दृष्टिबाधित दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान, देहरादून एवं राज्य सरकार की ओर से डॉ. समित शर्मा, शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता ने हस्ताक्षर किए।

मंत्री टीकाराम ने बताया कि एमओयू के पश्चात अस्थाई रूप से कंपोजिट रीजनल सेंटर का संचालन भारत सरकार की तरफ से किया जाएगा। शीघ्र ही राज्य सरकार द्वारा कंपोजिट रीजनल सेंटर के स्थाई संचालन के लिए भूमि केंद्र सरकार को उपलब्ध करवाई जाएगी।

मिलेंगी विभिन्न सुविधाएं

केंद्र के संचालन से राज्य के दिव्यांगजन लाभान्वित होंगे। दिव्यांगजनों को इस केंद्र से निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं उपकरण की सुविधा मिलेगी। केंद्र के माध्यम से दिव्यांगजनों को चिह्नित करना, फिजियोथेरेपी, ऑक्युपेशनल थेरेपी की सुविधाएं भी निशुल्क प्रदान की जाएंगी। साथ ही दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड जारी करवाने में भी इस केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

रसायनों का कर सकेंगे छिड़काव

किसान किराये पर ले सकेंगे ड्रोन... खरीदेंगे तो मिलेगा 40% अनुदान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश के किसानों को अपनी फसलों में रासायनिक पदार्थों के छिड़काव के लिए अब परेशान नहीं होना पड़ेगा। कृषि विभाग द्वारा प्रदेश भर में 1500 ड्रोन कस्टम हायरिंग केंद्रों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। जहां से किसान किराये पर ड्रोन ले सकते हैं। इसके अलावा स्वयं खरीदने वाले किसानों को ड्रोन पर लागत का 40 प्रतिशत अधिकतम 4 लाख रुपए के साथ ही खेतों पर प्रदर्शन के लिए अधिकतम 6 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर का अनुदान दिया जाएगा।

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बुधवार को जोशीवास गांव, जोबनेर में राज्य स्तरीय ड्रोन तकनीकी का सजीव प्रदर्शन कर इस योजना का शुभारम्भ किया। इस मौके पर लालचंद कटारिया ने बताया कि दुनिया भर में कृषि कार्यों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन का उपयोग बढ़ रहा है।

इसलिए प्रदेश के किसानों को तकनीक से जोड़ने के लिए 2 वर्षों में प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में ड्रोन कस्टम हायरिंग केंद्रों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश के ऐसे कृषक जो सीमित आय के कारण उन्नत एवं महंगे कृषि उपकरणों को क्रय करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें ड्रोन किराए पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे किसान कम लागत एवं समय में व्यापक क्षेत्र में रसायनों का छिड़काव कर सकेंगे।

ड्रोन तकनीक किसानों के लिए वरदान

कृषि आयुक्त कानाराम ने बताया कि पारंपरिक तरीके से छिड़काव के मुकाबले ड्रोन से छिड़काव में 70-80 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है। खड़ी फसल में पोषक तत्वों की कमी का निर्धारण एवं उनकी पूर्ति ड्रोन के माध्यम से आसानी से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि ड्रोन रसायन छिड़काव के साथ सिंचाई निगरानी, फसल स्वास्थ्य की निगरानी, मर्दा विश्लेषण, फसल नुकसान का आकलन और टिड्डी नियंत्रण जैसे कार्यों को बेहतर ढंग से करने में उपयोगी हैं।

योजना के प्रथम चरण में किसानों को नैनो यूरिया के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। इसमें किसानों को जागरूक करने के लिए प्रत्येक जिले में कुल 20 हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन प्रदर्शन कर रसायनों का छिड़काव किया गया। कटारिया ने बताया कि कृषि कार्यों में ड्रोन तकनीकी द्वारा फसलों में रसायनों के छिड़काव का सजीव प्रदर्शन की शुरुआत प्रदेश भर में की गई। प्रदेश में यूरिया की कमी को दूर करने के लिए उसकी जगह नैनो यूरिया को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि यूरिया की कमी को पूरा किया जा सके।

बीसलपुर लाइन से जुड़ेगा बगरू

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। बगरू में बीसलपुर परियोजना से पानी की मांग को लेकर चार दिन से जारी धरना गुरूवार को समाप्त हुआ। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने धरनास्थल पर पहुंचकर बगरू को जल्द ही बीसलपुर से जुड़ने के प्रयास के लिए मीटिंग आयोजित कर रास्ता निकालने की बात कही जिसके बाद इसे स्थगित किया गया। दरअसल बीसलपुर परियोजना से बगरू के लिए पानी शुरू करने और रिंग रोड के पीड़ित किसानों को मुआवजे देने की मांग को लेकर विधायक गंगा देवी अपने समर्थकों के साथ 4 दिन से अनशन पर बैठी थीं। धरना विधानसभा क्षेत्र के बालावाला में चल रहा था, जिसे तुड़वाने के लिए खाचरियावास धरना स्थल पहुंचे। जहां उन्होंने उनकी मांगों पर जल्द काम करने का आश्वासन दिया। खाचरियावास ने कहा कि चिंतन शिविर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की उपस्थिति में मैंने अधिकारियों से मुख्यमंत्री की बजट घोषणा को लागू करने के लिए सख्त निर्देश दिए।

पीलीबंगा में हेरोइन तस्करों ने दिया वारदात को अंजाम

परिवार को पेट्रोल डाल जलाया, तीन झुलसे, मासूम की मौत

घटना के समय नींद में था परिवार, पत्नी 90 फीसदी जली

हिलव्यू समाचार

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ जिले में हेरोइन तस्करों द्वारा एक परिवार को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना में 6 साल के बच्चे की मौत हो गई जबकि पति-पत्नी की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। उनका अस्पताल में इलाज जारी है। कहा जा रहा है कि हेरोइन व चरस के तस्करों ने आग लगाने की इस घटना को अंजाम दिया है। ये घटना हनुमानगढ़ के पीलीबंगा वॉर्ड नंबर-9 में हुई। यहां जसवीरदास का परिवार रहता है। घटना के समय जसवीर, इनकी पत्नी मनप्रीत और 6 साल का बेटा एकमदास घर में सो रहे थे। उसी दौरान घर की खिड़की से दो युवकों ने पेट्रोल डाल दिया। बताया जा रहा है कि घर में इतना पेट्रोल डाला कि वो पूरे घर में फैल गया। इसके बाद उसमें आग लगाकर दोनों फरार हो गए। इस घटना में जसवीर कम झुलसे। लेकिन उनकी पत्नी मनप्रीत 90 फीसदी झुलस चुकी हैं। वहीं, 6 साल के बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि मनप्रीत को बीकानेर में इलाज के लिए रेफर कर दिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हनुमानगढ़ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय सिंह ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 5 बजे पड़ोसी राज्य पंजाब के अबोहर से बाप-बेटे शारज (27) और बाज सिंह (53) को गिरफ्तार किया गया है। वारदात के मात्र 6 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपियों को धर-दबोचा है।

6 घंटे में पकड़ा

हनुमानगढ़ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय सिंह ने गुरुवार को घटनास्थल का दौरा किया था। एसपी के निर्देश पर संगरिया सीओ प्रतीक मील व संगरिया सीआई सुभाषचंद्र कच्छावा के नेतृत्व में टीम को पंजाब रवाना किया गया। साइबर सेल ने पीड़ित के मोबाइल नंबरों पर आए कॉल की जांच की। उसी में आरोपियों के नंबर का खुलासा हुआ। लोकेशन ट्रेस कर शारज व बाज सिंह को गिरफ्तार किया गया है।

हेरोइन बेचने से किया था मना

पीलीबंगा थानाधिकारी ने बताया कि जिला अस्पताल में भर्ती जसवीर दास उर्फ मद्दी (36) पुत्र मिट्ठू दास स्वामी निवासी वार्ड नंबर 9, पीलीबंगा का बयान लिया गया है। उसने बताया कि करीब 1 साल पूर्व वह हेरोइन बेचा करता था। 1 साल से हेरोइन पीने और बेचने का काम बिल्कुल बंद कर दिया। इस कारण मेरा पंजाब वाले बाप-बेटे से संपर्क टूट गया। 18 जनवरी को बाप-बेटे पीलीबंगा मेरे वार्ड में आए और किसी को हेरोइन दे रहे थे। मैंने बाप-बेटे को हमारी गली में हेरोइन बेचने से मना किया तो दोनों वहां से भाग गए और जाते वक्त मुझे देख लेने की धमकी देकर गए।

पैसे नहीं चुकाने पर हुआ विवाद

पुलिस की मानें तो गिरफ्तार बाप-बेटों ने नया खुलासा किया है। शारज और बाज सिंह ने पुलिस को बताया कि जसवीर दास के साथ हेरोइन खरीद-बिक्री को लेकर रुपए का विवाद है। जसवीर दास ने रुपए देने से मना कर दिया। पुलिस ने दावा किया- शारज और बाज सिंह ने अपनी बाइक में पहले पंप से पेट्रोल भरवाया। फिर एक छोटी बाल्टी में पेट्रोल निकाला। वही पेट्रोल जसवीर दास के मकान में डाल दिया और लाइटर से आग लगा दी। 6 साल के मासूम की मौत के बाद इस मामले में धारा 302 भी जोड़ी गई है।

एक नज़र

ऑपरेशन गार्जियन में होगी काउंसलिंग

सोशल मीडिया पर गैंगस्टर्स के फॉलोअर्स पर पुलिस की नजर

हिलव्यू समाचार

धौलपुर। पुलिस मुख्यालय के मंशानुसार एवं महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेज के निर्देशानुसार धौलपुर जिले में आपरेशन गार्जियन की शुरुआत की गई है। जिसके तहत युवाओं को अपराध की राह पर जाने से रोकने के लिए समझाइश की जाएगी। धौलपुर एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि इसे लेकर सेल का गठन कर दिया गया है।

जिला पुलिस परामर्श प्रकोष्ठ सोशल मीडिया सेल की ओर से उपलब्ध कराए गए डाटा के आधार पर चयनित भटके युवाओं की सकारात्मक काउंसलिंग करेगी।

एसपी सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया साइट के माध्यम से बढ़ रहे अपराधों पर निगरानी रखकर सोशल मीडिया साइट्स पर सक्रिय अपराधियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नव स्थापित काउंसलिंग सेल सक्रिय अपराधियों एवं गैंगस्टर से प्रभावित होकर सोशल मीडिया पर फॉलोअर बनने वाले युवाओं को ऐसे अपराधियों से दूर रखने, सोशल मीडिया साइट पर निगरानी रखने और

भटके युवाओं को सही दिशा में लाने के लिए गठित की गई है। गैंगस्टर एवं समाज कंटकों से प्रभावित युवाओं को सकारात्मक सोच एवं कार्यों की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा। परामर्श के लिए उन ही युवाओं को चिह्नित किया जाएगा जो युवा अभी अपराधी नहीं बने हैं, लेकिन अपराधियों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। एसपी के निर्देशन में आज बुधवार को ऑपरेशन गार्जियन के बारे में सरमथुरा सीओ सुरेश डाबरिया एवं थाना प्रभारी देवेन्द्र कुमार शर्मा की ओर से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरमथुरा के छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गई।

इस दौरान छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य रामकेश मीणा, सीबीईओ जितेंद्र जादौन एवं विद्यालय स्टाफ के साथ सीएलजी सदस्य मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक: जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. बी.डी कल्ला ने फ्लैगशिप योजनाओं के संबंध में दिए अधिकारियों को निर्देश

प्रभावी रूप से करें सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन

हिलव्यू समाचार

अलवर। शिक्षा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री डॉ.बी.डी कल्ला की अध्यक्षता में आज जिला परिषद के सभागार में फ्लैगशिप योजनाओं सहित अन्य संचालित योजनाओं व बीस सूत्रीय कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। डॉ. कल्ला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का क्रियान्वयन प्रभावी रूप से किया जाए। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उदासीन अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से जनसुनवाई संवेदनशील रहकर किया जाए। उन्होंने जयपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि रबी फसल की सिंचाई का पीक सीजन चल रहा है। आगामी 20 दिनों तक यह प्रयास करें कि किसानों को कृषि सिंचाई के लिए यथासंभव दिन में विद्युत आपूर्ति की जाए। उन्होंने जलदाय विभाग एवं विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ताओं को निर्देश दिए कि आपसी सामन्जस्य रखते हुए एक सप्ताह में शेष सभी पेयजल विद्युत कनेक्शनों को जारी किए जाए साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि विधायक निधि कोष से पेयजल योजनाओं के कनेक्शन भी प्राथमिकता से जारी करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के शेष कनेक्शनों को जल्द जारी करें।

अवैध रीफिलिंग पर कसें लगाम

प्रभारी मंत्री ने जिले में गैस सिलेंडरों की अवैध रिफलिंग पर लगाम लगाने के लिए सख्त कार्रवाई करें। वहीं उन्होंने कालीबाई भील मेधावी स्कूटी योजना, देवनारायण स्कूटी योजना के तहत सुनिश्चित करे कि स्कूटियां तय समय सीमा में वितरित की जाए। उन्होंने राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सीएमएचओ को निर्देश दिए कि विशेष अभियान चलाकर चिरंजीवी योजना के तहत में आईपीडी के शत-प्रतिशत क्लेम बुक कर उनका पुनर्भरण बीमा कम्पनी से कराना सुनिश्चित कराएं।

मिलावटखोरों पर लगाएं अंकुश

उन्होंने कहा कि योजनाओं के बारे में जागरूकता गतिविधियां करवाई जाए। उन्होंने जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देश दिए कि इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना की जिले में गति बढाएं। प्रभारी मंत्री ने मिलावटखोरी पर लगाम कसने के निर्देश दिए।

दौसा में खूनी संघर्ष, फायरिंग में महिला समेत दो लोगों की मौत

बदमाशों ने सरेआम चलाई गोलियां, तीन लोग घायल, फैली दहशत

हिलव्यू समाचार

दौसा। दौसा में सोमवार सुबह सरेआम फायरिंग कर एक ही परिवार के दो लोगों की हत्या कर दी गई। वहीं 3 लोग घायल हो गए। जख्मी भी हुए हैं। बताया जा रहा है कि दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते आज सवेरे मंडावर थाना इलाके के पास फिर से दोनों पक्षों आमने-सामने आ गए। इसी दौरान तनातनी के बीच एक पक्ष ने फायर दाग दिए। अचानक हुए इस हमले के बाद मौके पर भगदड़ मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। दौसा जिले में आज सवेरे दो पक्षों में हुए खूनी संघर्ष में दो लोगों की हत्या कर दी गई। बदमाशों ने गोलियां चलाते हुए कई लोगों को जख्मी कर दिया। पुलिस ने बताया कि एक महिला और एक पुरुष की हत्या कर दी की गई है। महिला की पहचान अलका जोगी और पुरुष की पहचान हीरालाल जोगी के रूप में हुई है।

मौके पर मची भगदड़

मौके पर मौजूद मंडावर थाना पुलिस ने बताया कि सवेरे किसी बात को लेकर दोनो पक्षों के बीच तनातनी हो गई। एक पक्ष कुछ समझ पाता इससे पहले ही दूसरे पक्ष ने फायरिंग कर दी। अचानक हुए इस हमले के बाद मौके पर भगदड़ मच गई। घटना की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को मिली। जिन दो लोगों की हत्या की गई उनके शव राजकीय अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाए गए हैं।

पहले से चल रहा था विवाद

दौसा जिले के पालोदा गांव में हीरालाल योगी (60) और रामेश्वर और मोतीलाल पड़ोसी है। तीन महीने पहले एक एक्सीडेंट में हीरालाल योगी के बेटे संतराम की मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप था कि रामेश्वर व मोतीलाल के परिवार ने संतराम की हत्या कर दी और इसके बाद मामला भी दर्ज करवाया। तभी से दोनों परिवारों के बीच विवाद चल रहा है।

समान वेतन की मांग को लेकर जेल प्रहरियों का प्रदर्शन

अनशन पर बैठे 15 की तबीयत बिगड़ी

हिलव्यू समाचार

अलवर। समान वेतन की मांग को लेकर पूरे प्रदेश में केंद्रीय कारागृह में कार्यरत जेल प्रहरियों का प्रदर्शन जारी है। ऐसे में चार दिन से अनशन कर रहे 15 कर्मचारियों की सोमवार को अनशन स्थल पर तबीयत खराब हो गई। जिसके चलते सभी कर्मचारियों को उपचार के लिए राजीव गांधी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जेल प्रहरी राजपाल ने बताया कि

काफी लंबे समय से वेतन विसंगति चली आ रही है, जिस पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों ने 13 जनवरी से अपनी मांगों को लेकर जेल परिसर में अनशन व धरना शुरू किया, जो सोमवार को भी जारी रहा। दोपहर बाद अचानक 15 कर्मचारियों का अनशन स्थल पर स्वास्थ्य खराब हो गया। जिसके चलते उन्हें राजीव गांधी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया है। उन्होंने बताया कि 2017 से राज्य सरकार के साथ जो समझौता हुआ था, उसको सरकार ने लागू नहीं किया है। इसके अलावा पुलिसकर्मियों और जेल प्रहरी के वेतन में 1998 से अंतर चला रहा है, इसलिए उन्होंने सरकार से मांग की है वेतन विसंगति की मांग को जल्द पूरा किया जाएं।

जनलेवा साबित हो रहा पढ़ाई का दबाव

कोटा में नीट के छात्र ने खुद को लगाई आग

हिलव्यू समाचार

कोटा। एजुकेशन सिटी कोटा से एक बार फिर हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पढ़ाई के दबाव के चलते यहां नीट की तैयारी का रहे एक छात्र ने खुद पर केरोसिन छिड़कर को आग लगा ली। जहां गंभीर हालत में उसे एमबीएस अस्पताल में भर्ती करवाया है। मामले के मुताबिक बिहार निवासी छात्र मयंक (20) जवाहर नगर थाना इलाके में रहकर 2 महीने से नीट की तैयारी कर रहा था। मयंक से मिलने के लिए उसके पिता यहां आए हुए थे। पिता के छोड़कर वापिस रूम पर लौटते ही छात्र ने जान देने की कोशिश की। बता दें कि कोटा में पिछले एक साल में करीब 2 दर्जन स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं। डीएसपी अमर सिंह ने बताया कि मयंक (20) बिहार के पश्चिमी चंपारण के बांकुली का निवासी है। मयंक के पिता संजय कुमार बिहार में प्रिंटिंग वर्क का काम करते हैं। मयंक के पिता संजय बुधवार सुबह उससे मिलने आए थे। दोपहर तक वे यहां पर रुके थे। इस दौरान पिता ने मयंक से पढ़ाई को लेकर बातचीत की। पिता संजय ने मयंक से पढ़ाई पर फोकस करने का कहा था। पिता की इतनी सी बात से मयंक नाराज हो गया। जब वह अपने पिता को छोड़कर दोबारा रूम पर आया और खुद पर केरोसिन डाल आग लगा दी।

बैराज गार्डन की कैसल बिल्डिंग म्यूजियम के माध्यम से बयां करेगी कोटा की कहानी

रिवर फ्रंट पर सात तरह के फाउंटेन पर्यटकों के आकर्षण का बनेंगे केंद्र

हिलव्यू समाचार

कोटा। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर कोचिंग सिटी के साथ कोटा को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल बनाने के लिए विकसित किए जा रहे दुनिया के पहले हेरिटेज चंबल रिवर फ्रंट का कार्य अब अंतिम दौर में है।

देसी-विदेशी पर्यटक को आकर्षित करने के लिए देश की संस्कृति, सभ्यता का वैदिक काल से आज तक का चित्र एवं अनुभव रिवर फ्रंट पर विकसित किए जा रहे हैं। अलग-अलग थीम पर 27 घाटों पर पर्यटकों यह दिलकश नजारा देखने को मिलेगा। रिवर फ्रंट के दोनों और विकसित किए जा रहे विश्व स्तरीय हेरिटेज एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने वाले मॉन्यूमेंट्स का कार्य अंतिम चरण में है। चंबल रिवर फ्रंट के आर्किटेक्ट अनूप भरतरिया इन कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। बुधवार को नगर विकास न्यास एसडी आरडी मीणा, सचिव राजेश जोशी सहित इंजीनियस की टीम ने बैराज गार्डन सहित रिवर फ्रंट पर विकसित किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया और मौके पर ही अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए।

शिल्प कला का दिखेगा बेजोड़ नमूना

विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल चंबल रिवर फ्रंट पर जहां कई विश्व रिकॉर्ड बनने जा रहे वही रिवर फ्रंट पर लगाए गए फाउंटेन भी अपने आप में वर्ल्ड रिकॉर्ड है। आर्किटेक्ट अनूप भरतरिया ने बताया कि नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री का कोटा को पर्यटन के क्षेत्र में विश्व मानचित्र पर स्थापित करने का लक्ष्य पूरा होने जा रहा है। बैराज गार्डन की कैसल बिल्डिंग का कार्य अंतिम चरण में है, वहीं बिल्डिंग के नीचे आकर्षक विशाल म्यूजिकल फाउंटेन जो 50 मीटर ऊंचा होने के साथ 4 इंच की पानी की चादर, अत्याधुनिक तकनीक एवं भव्यता से यहां पहुंचने वाले पर्यटकों को पानी में खड़े रहने का आभास कराएगा। वहीं 60 मीटर ऊंचे चंबल माता के प्रतिमा से जो जलधारा गिरेगी वह पर्यटकों को रोमांचित करने वाली होगी। रिवर फ्रंट पर अलग-अलग सात विश्व स्तरीय म्यूजिकल फाउंटेन भारत की कला व संस्कृति का बखूबी प्रदर्शन कर पर्यटकों को लुभाएंगे।

कैसल बिल्डिंग में रहेगा म्यूजियम

रिवर फ्रंट पर बैराज गार्डन में विकसित की गई कैसल बिल्डिंग का कार्य अंतिम दौर में है। यह बिल्डिंग अपनी खूबसूरती से ना सिर्फ पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी बल्कि यहां विकसित किया जाने वाला म्यूजियम कोटा के वैभवशाली इतिहास की कहानी भी बयां करेगा। कैसल बिल्डिंग में कोटा की इतिहास और वर्तमान में पर्यटन के क्षेत्र में विश्व स्तरीय कीर्तिमान स्थापित होने के सभी कार्यो का बखूबी चित्रण देखने को मिलेगा, जिसको देखकर पर्यटक खासे प्रभावित होंगे।

एक नज़र

राजस्थान मेडिकल रिलीफ सोसायटी 48 लाख रुपए के गबन का मामला

मालपुरा थाने में दो चिकित्सकों सहित 6 के खिलाफ केस दर्ज

हिलव्यू समाचार

टोंक। जिले के मालपुरा क्षेत्र में राजस्थान मेडिकल रिलिफ सोसायटी के 48 लाख रुपए के गबन का मामला सामने आया है। मामले का खुलासा होने के बाद संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया गया है। इसके बावजूद राशि जमा नहीं करवाई गई। इस मामले को लेकर मालपुरा पुलिस थाने में 2 चिकित्सकों सहित 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं गबन करने के मामले में चिकित्सा अधिकारी डॉ. अर्जुन दास, डॉ. विद्या मगनानी और उनके अधीनस्थ केशव कांत, लेखाकार रामकिशन विजय, कनिष्ठ सहायक मो. सलीम नकवी, कनिष्ठ लेखाकार कल्पना प्रजापत गबन मामले में लिप्त पाए गए हैं। इस मामले को लेकर मालपुरा थाना प्रभारी भुराराम खिलेरी ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालपुरा में चिकित्सा प्रभारी अधिकारी के पद पर कार्यरत अनिल मीणा ने रिपोर्ट पेश की है। जिसमें बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालपुरा के वित्तीय वर्ष 04/2011 से 07/2022 तक के लेखों की जांच दल की ओर से जांच की गई। इसमें राजस्थान मेडिकल रिलिफ सोसायटी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालपुरा में 47 लाख 85 हजार 235 रुपए का गबन होना सामने आया। थाना प्रभारी खिलेरी ने बताया कि चिकित्सा प्रभारी की रिपोर्ट के बाद 6 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच में हुआ लाखों रुपए के गबन का खुलासा

निदेशालय द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालपुरा के वित्तीय वर्ष 04/2011 से 07/2022 तक के लेखों की जांच की गई। जिसमें 25 जुलाई 2016 से 4 फरवरी 2019 तक 35,78,508 रुपए तथा 5 जुलाई 2019 से 30 सितंबर 2020 तक 75,950 रुपए तथा 01 अक्टुबर 2020 से 25 मार्च 2022 तक 11,30,777 रुपए का गबन होना पाया गया।

डिस्कॉम का लाइनमैन 6 हजार की घूस लेते धरा

हिलव्यू समाचार

जालोर। राजस्थान एसीबी की ओर से प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। भ्रष्टाचारी जनसेवक एसीबी की रडार पर हैं। इस बीच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने जालोर में डिस्कॉम के तकनीकी सहायक (लाइनमैन) को एक मामले में छह हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

अएसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक (अतिरिक्त चार्ज महानिदेशक) हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की जालोर इकाई को परिवादी ने शिकायत की कि मीटर रीडिंग सही करने एवं वीसीआर नहीं भरने की एवज में लाइनमैन ने छह हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस निरीक्षक दीनदयाल वैष्णव सहित एसीबी टीम ने ट्रैप की कार्रवाई की। परिवादी की शिकायत सही पाए जाने पर एसीबी ने देदरोली (करौली) निवासी तकनीकी सहायक रूपनारायण प्रजापत पुत्र धर्मीलाल को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

तीन जिलों के 2237 गांवों की प्यास बुझाएगा चंबल का पानी

हिलव्यू समाचार

अलवर। अलवर, भरतपुर और धौलपुर जिले में व्याप्त पानी की समस्या से लोगों को जल्द ही छुटकारा मिल जाएगा। इन तीन जिलों तक चंबल का पानी लाने की योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

एनसीआर परियोजना के तहत जलदाय विभाग ने इसके लिए डीपीआर तैयार की है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो चंबल का पानी अलवर, भरतपुर और धौलपुर जिले के 2237 गांवों की प्यास बुझाएगा। अगले साल गर्मियों तक चंबल का पानी तीनों जिलों के लोगों तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं अलवर शहर के लिए सिलीसेढ़ का पानी भी लाने की तैयारी है। अधीक्षण अभियंता एनसीआर कैलाश चंद मीणा ने बताया कि गर्मी में पानी के इंतजाम के लिए बेहद स्तर पर प्रपोजल तैयार किए गए हैं। अलवर शहर को दो भागों में बांटा गया है एक तो चंबल का पानी और ईशरदा नोरेदा बांध से पानी लाने का प्रस्ताव है।

अलवर शहर के लिए सिलीसेढ़ का पानी भी लाने की तैयारी

5685 करोड़ की डीपीआर तैयार

चंबल का पानी अलवर सहित भरतपुर और धौलपुर के लिए 5685 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार की गई है, जिसे स्वीकृति के लिए भेजना है । चंबल का पानी 3 जिलों में लाने से 2237 गांव को फायदा होगा। जिनमें अलवर जिले के 882 गांव शामिल है और बाकी के गांव धौलपुर और भरतपुर में है। इसके लिए एक हजार आठ टंकियां बनाई जाएंगी। चंबल नदी पर ही पानी की डिग्गी तैयार होगी, जिसमें 9 महीने पानी को रिजर्व कर 3 महीने अलवर लाया जाएगा। जिसमें एक फिल्टर प्लांट भी लगाया जाएगा। इसके अलावा 611 किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइन लगेगी। 2047 किलोमीटर राइजिंग लाइन तैयार की जाएगी। इसके अलावा 2 लाख 78 हजार कनेक्शन जारी किए जाएंगे।

दिल्ली क्राइम ब्रांच के कांस्टेबल ने जेल में बनाई एटीएम लूट गैंग

हिलव्यू समाचार

अलवर। अलवर पुलिस ने देशभर में एटीम उखाड़कर पैसा लूटने वाली गैंग का खुलासा किया है।

दरअसल, 15 जनवरी को अलवर विहार पुलिस ने शाहपुर बावल, हरियाणा निवासी विनोद कुमार उर्फ छिल्लर को एसडीएम सर्किल से पकड़ा था। छिल्लर एटीएम लूट गैंग का सदस्य है। पुलिस उसे फरवरी 2022 में गैस कटर से एटीएम उखाड़ने के मामले में ही तलाश कर रही थी। पूछताछ में छिल्लर ने कई चौकाने वाले खुलासे किए। उसने बताया कि दिल्ली क्राइम ब्रांच के हेड कांस्टेबल ने देश में सबसे बड़ी एटीएम लूट की गैंग बना डाली। कांस्टेबल ने जेल में बदमाशों से साठगांठ कर अपना गिरोह बनाया लिया। इस गैंग ने राजस्थान समेत देश के 12 राज्यों में एटीएम लूट की वारदात को अंजाम दिया और एटीएम से करोड़ों रुपए निकाल लिए। आरोपी सुनसान वाली जगहों पर एटीएम को निशाना बनाते थे।

12 राज्यों में वारदात को दे चुके हैं अंजाम

पुलिस ने बताया कि असलूप की गैंग व छिल्लर के अन्य साथी बदमाशों ने मिलकर महाराष्ट्र हरियाणा, राजस्थान व असम में अलग-अलग जगहों से करीब 1 दर्जन से अधिक एटीएम उखाड़ने की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी विनोद कुमार उर्फ छील्लर ने कई स्टेट में वारदात करना कबूल किया है। महाराष्ट्र में तीन जगह पर एटीएम उखाड़े जहां से करीब 50 लाख, राजस्थान के उदयपुर से 1 एटीएम से 12लाख , असम में तीन जगह से एटीएम उखाड़े 30 लाख रुपए लूटे हैं। बदमाश ने करीब 1 करोड़ रुपए एटीएम उखाड़कर लूटना कबूल किया है। इसके अलावा मारपीट, लूट व हत्या के प्रयास के कई मामले भी इन पर दर्ज हैं।

असम की गैंग से मिलाया हाथ

थाना अधिकारी जहिर अब्बास ने बताया कि जब आरोपी से पूछताछ की तो उसने बताया कि गैंग का मुख्य सरगना असलूप और दूसरा सद्दाम है। असलूप को बदमाशों से मिलीभगत के मामले में दिल्ली क्राइम ब्रांच ने बर्खास्त कर दिया था। उन्होंने बताया कि हरियाणा में जेल में रहने के दौरान वह बदमाशों क कॉन्टैक्ट में आया था। यहीं से उसने नेटवर्क बनाना शुरू किया। इसके बाद जेल से जब छूटा तो वह असम गया, वहां ऐसे बदमाशों से मिला जो एटीएम उखाड़ वारदात करते थे। इन बदमाशों को भी अपनी गैंग में शामिल किया और इसके बाद उसने देशभर में वारदात को अंजाम देना शुरू किया। असलूप हरियाणा के शिकारपुर तावडू गांव का रहने वाला है।

पुलिस ने 7 गोवंश को कराया मुक्त

हिलव्यू समाचार

झालावाड़। झालावाड़ जिले की अकलेरा थाना पुलिस ने बुधवार सुबह सात गोवंश को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। वहीं कोहरे का फायदा उठा कर तस्कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार पुलिस ने गो-पुत्रो के सहयोग से हनोति गांव के पास घेराबंदी कर लोडिंग ऑटो को पकड़ लिया। जिसमें सात गोवंश भरे मिले। पुलिस ने वाहन को जब्त कर गोवंश का स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर गोशाला को सुपर्द किया। पुलिस जाप्ते को देखकर वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सुबह 5 बजे गोपुत्रों की ओर से सारोला, तारज की तरफ से एक लोडिंग ऑटो RJ 17 GA 8266 आता दिखा। जिस पर गो-पुत्रों को शक हुआ। उन्होंने इसकी सूचना अकलेरा पुलिस को दी गई। जिस पर पुलिस व गो-पुत्रों की ओर से हनोति गांव के पास घेरा बंदी कर वाहन को रोक लिया। वाहन की जांच करने पर उसमें सात बेल ठूस-ठूस कर भर रखे थे। इस दौरान दो तस्कर घना कोहरा होने के कारण मोके से फरार हो गए। पुलिस ने वाहन को जब्त कर बेलों को अकलेरा स्थित श्री गौपाल गौशाला में छोड़ा गया।

कामां में एसीबी की कार्रवाई

तीन हजार की रिश्वत लेने के मामले में ग्राम विकास अधिकारी को दबोचा

हिलव्यू समाचार

भरतपुर। भरतपुर जिले के कामां में एसीबी की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पहाड़ी पंचायत समिति में ग्राम विकास अधिकारी को ट्रैप किया है।

भरतपुर एसीबी टीम ने पहाड़ी पंचायत समिति की भौरी ग्राम पंचायत के वीडीओ आसिफ खान को तीन हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी वीडीओ ने चाय बेचने वाले युवक को रिश्वत की राशि दिलाई गई थी।

भरतपुर एसीबी-एएसपी महेश मीणा ने बताया कि पहाड़ी पंचायत समिति में कनिष्ठ सहायक व पहाड़ी पंचायत समिति की भौरी ग्राम पंचायत में तैनात ग्राम विकास अधिकारी ने आसिफ खान ने पंचायत समिति के बाहर चाय की थड़ी लगाने वाले दलाल राम खिलाड़ी प्रजापति के माध्यम से परिवादी से मनरेगा का जॉब कार्ड ऑनलाइन करने की एवज में 3000 रुपए की रिश्वत मांगी थी। जैसे ही परिवादी ने वीडीओ आसिफ खान से बातचीत कर रिश्वत की राशि चाय की थड़ी लगाने वाले दलाल राम खिलाड़ी को सौंपी। तभी एसीबी ने आरोपी ग्राम विकास अधिकारी व चाय की थड़ी लगाने वाले दलाल को दबोच लिया। एसीबी ने पहाड़ी पुलिस को मौके पर बुलाकर आरोपी वीडीओ और दलाल राम खिलाड़ी को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की कार्रवाई को लेकर कामां, पहाड़ी में हड़कंप मचा हुआ है।

भारतीय किसान संघ का प्रदर्शन

किसान सम्मान निधि में अतिरिक्त राशि जोड़ने की मांग

हिलव्यू समाचार

कोटा। भारतीय किसान संघ के आह्वान पर प्रदेशव्यापी आन्दोलन के तहत मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। भारतीय किसान संघ कोटा जिला अध्यक्ष गिरिराज चौधरी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर ओपी बुनकर को ज्ञापन दिया गया।

इससे पहले किसानों ने कलेक्ट्रेट के बाहर नारेबाजी की। उन्होंने ज्ञापन में कहा कि प्रदेश में अधिकतर किसान अभी भी वर्षा आधारित खेती पर निर्भर है। प्रदेश अन्य राज्यों की तुलना मे सिंचित रकबा बढ़ाने मे पिछड़ा हुआ है। ऐसे में, लम्बित नहरी परियोजनाओं को पूरा करके किसानों को पानी उपलब्ध करवाकर सिंचित रकबा बढ़ाया जाए।

सभी जिला केंद्रों पर सौपे ज्ञापन: प्रांत प्रवक्ता आशीष मेहता ने बताया कि प्रदेश भर में सभी जिला केंद्रों पर ज्ञापन के माध्यम से सरकार को चेताया जा रहा है। प्रांत के सभी 12 जिलों में ज्ञापन दिया गया है। किसानों की मांगों को प्रदेश के बजट में स्थान दिया जाए। सभी समस्याओं के तत्काल समाधान नहीं होने पर संभाग केंद्रों से आंदोलन तेज करते हुए प्रदेशभर से किसान जयपुर कूच कर महापड़ाव डालने को मजबूर होंगे। इस दौरान जिला मंत्री देवीशंकर गुर्जर, सह मंत्री पवन शर्मा, संभाग महिला प्रमुख रमा शर्मा, कनवास तहसील अध्यक्ष अश्विनी जैन, लाड़पुरा तहसील अध्यक्ष हेमराज नागर, जिला उपाध्यक्ष महावीर सुमन, ब्रह्मानंद शर्मा, देवेंद्र कुमार, शिवराज योगी, जगदीश प्रसाद, हेमराज धाकड़, बद्रीलाल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला स्तरीय गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर

महात्मा गांधी के विचार ही देश को जोड़े रखने में सक्षम: गिरिजा व्यास

हिलव्यू समाचार

उदयपुर। शांति एवं अहिंसा विभाग की ओर से उदयपुर में दो दिवसीय जिला स्तरीय गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ सोमवार को हुआ। प्रातः अहिंसा यात्रा के पश्चात सुखाड़िया रंगमंच में उद्घाटन सत्र और प्रशिक्षण सत्र का आयोजन हुआ, जहां गांधी विचारकों ने वक्तव्य दिए। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ कार्यक्रमों का समापन हुआ। मंगलवार सुबह 9.30 बजे सर्वधर्म प्रार्थना सभा, 11 बजे हार्टफुलनेस मेडिटेशन तथा प्रशिक्षण सत्र एवं शाम 4 बजे समापन सत्र किया गया।

अहिंसा यात्रा में जुटे काफी संख्या में लोग

अहिंसा यात्रा को सुबह पूर्व सांसद रघुवीर मीणा ने गांधी मैदान से शहीद स्मारक नगर निगम तक झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का समापन शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। इस दौरान गांधी दर्शन समिति के संयोजक पंकज कुमार शर्मा, सुधीर जोशी, फिरोज अहमद शेख, जिला परिषद एसीईओ विनय पाठक सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजनों ने हिस्सा लेकर अहिंसा मार्च को सफल बनाया।

अटक से कटक तक राजनीतिक जागरण

देश के सुप्रसिद्ध गांधी विचारक प्रोफेसर सतीश राय कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे। उन्होंने गांधी के समूचे जीवन पर प्रकाश डाला और उनके जीवन की विभिन्न घटनाओं को उल्लेखित करते हुए उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। प्रोफेसर राय ने चंपारण सत्याग्रह, अफ्रीका में गांधी को रेल से उतारे जाने की घटना और उस घटना से उनके जीवन में आए परिवर्तन, असहयोग आंदोलन, गांधी और नेहरू की प्रथम मुलाकात, बतख मिया का किस्सा, भारत छोड़ो आंदोलन के हिस्से आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला।

नगर निगम के सुखाड़िया रंगमंच पर 11 बजे उद्घाटन सत्र का आयोजन हुआ। पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास ने कहा कि हेट स्पीच पर रोक लगना जरूरी है एवं इसके लिए सुप्रीम कोर्ट भी निर्देश दे चुकी है। उन्होंने कहा कि देश में गंगा जमनी संस्कृति है और सर्व धर्म समभाव को लेकर लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज के इस दौर में गांधी के विचार बेहद सामयिक हो गए हैं।

श्रुति ने बताया 'सच'

श्रुति हासन ने उन खबरों का कड़े शब्दों में खंडन किया जिसमें दावा किया गया था कि वह 'मेंटल हेल्थ' इश्यूज के चलते अपनी फिल्म 'वॉल्टेयर वीरैय्या' के प्रमोशन इवेंट में नहीं आई थीं.

श्रुति ने सोशल मीडिया पर कहा, 'संवेदनशील मुद्दों को सतही तरीके से लोगों के सामने परोसने वालों को शायद मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करने से डर लगता है. मुझे वायरल बुखार था. ऐसी अनर्गल बातें फैलाने की अपनी आदत पर काबू पाएं.'

कियारा का दुल्हन लुक वायरल

बीते कुछ वर्षों में बी-टाउन के कई कपल्स ने घर बसा लिया है. अब फैमिली के नए मेहमानों का स्वागत भी कर रहे हैं. बीते साल विक्की कौशल-कैटरीना कैफ और रणबीर कपूर-आलिया भट्ट के बाद इस साल जिस बॉलीवुड कपल की शादी चर्चा में है, वह सिद्धार्थ मल्होत्रा-कियारा आडवाणी हैं.

कयास है कि दोनों फरवरी में राजस्थान में रॉयल वेडिंग फंक्शन में एक-दूसरे के हो जाएंगे. इस बीच कियारा की दुल्हन के रूप में कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. ये एक फैशन ब्रांड के कमर्शियल शूट की तस्वीरें हैं. पिंक एम्बेलिश्ड लहंगे में कियारा का रॉयल लुक एथनिक लग रहा है. फूलों की कढ़ाई, सुनहरी धारियां, ब्लाउज में प्रिंसेज कट और प्लंजिंग नेक सिल्हूट है.

'फ़राज़' के ट्रेलर से रोंगटे खड़े

शशि कपूर के पोते जहान कर रहे डेब्यू

हंसल मेहता निर्देशित फिल्म 'फराज' का ट्रेलर रिलीज हो गया है. ट्रेलर 2 मिनट से ज्यादा लंबा है. ट्रेलर की शुरुआत में बांग्लादेश के एक कैफे की झलक मिलती है जहां कस्टमर के बीच शशि कपूर के पोते और कुणाल कपूर के बेटे जहान कपूर भी बैठे दिखाई दे रहे हैं. जहान कपूर की यह डेब्यू फिल्म है.

फिल्म 2016 में घटी सच्ची घटना पर बनी है जिसमें लतीफुर रहमान का 20 साल का ग्रैंड सन फराज हुसैन मारा गया था. ट्रेलर में उस घटना की झलकी दिखाई गई है. दर्शक ट्रेलर में देख सकते हैं कि कैफे में कुछ आतंकवादियों की एंट्री होती है जो शांति से खाना खा रहे कस्टमर्स पर गोली बरसाने लगते हैं. ट्रेलर में परेश रावल के बेटे को आतंकवादी के रोल में देखा जा सकता है. बांग्लादेश पुलिस आतंकवादियों के चंगुल से लोगों को छुड़ाने के लिए योजना बनाती दिखाई दे रही है. एक सीन में आदित्य रावल जहान कपूर से कहते हैं, 'फराज हुसैन, बांग्लादेश का शहजादा.' जब पुलिस हमले का प्लान बना रही थी तब जहान कैफे में आतंकवादियों से लड़ते हुए बच्चों को बचाने की कोशिश करते हैं. ट्रेलर के आखिर में आदित्य आतंकवादी के किरदार में जहान को धक्का देते हुए पूछता है कि वह क्या चाहता है? इस पर जहान कहते हैं, 'तुम जैसे लोगों से अपना इस्लाम वापस चाहिए.' लोग ट्रेलर देखकर रोमांचित हैं.

बर्लिन में 'दहाड़' का प्रीमियर

सोनाक्षी सिन्हा अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'दहाड़' से ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं. यह सीरीज इसी साल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम की जाएगी. हालांकि उससे पहले सीरीज से जुड़ी एक अहम खबर आ रही है कि इसका प्रीमियर बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में किया जाएगा. इस फिल्म समारोह में प्रीमियर होने वाली यह पहली भारतीय वेब सीरीज है. 'दहाड़' का निर्देशन रीमा कागती और रुचिका ओबेरॉय ने किया है जबकि निर्माण एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी ने किया है. 'दहाड़' 8 एपिसोड की क्राइम ड्रामा सीरीज है. कहानी राजस्थान के एक छोटे से शहर में दिखायी गयी है. सोनाक्षी स्थानीय पुलिस सब इंस्पेक्टर अंजलि भाटी के रोल में हैं.

विजय की धमाकेदार वापसी

कॉप ड्रामा VD 12 से

विजय देवरकोंडा की बीते साल रिलीज हुई 'लाइगर' ने बॉक्स ऑफिस पर फैंस और वितरकों को निराश किया था. इससे सबक लेते हुए विजय अब अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स बहुत सोच-समझकर चुन रहे हैं. हाल ही उन्होंने तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री के गौतम तिन्नौरी की अपकमिंग फिल्म की घोषणा की है. गौतम को 'जर्सी' (2019) के लिए जाना जाता है. विजय ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में इस फिल्म के बारे में शेयर किया, 'जब गौतम ने मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाई तो मेरे दिल की धड़कनें बढ़ गईं. फिल्म का अस्थायी टाइटल फिलहाल 'वीडी 12' है.' फिल्म की घोषणा के साथ ही एक पोस्टर भी लॉन्च किया गया जिसमें विजय एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आ रहे हैं लेकिन चेहरा कपड़े से ढंका हुआ है.

हाल के वर्षों में विजय के अलावा प्रभास, जूनियर एनटीआर, रामचरण तेजा, विजय सेतुपति, नागा चैतन्य, पृथ्वीराज सुकुमारन, यश और किच्चा सुदीप जैसे बड़े साउथ एक्टर्स ने बॉलीवुड फिल्मों में डेब्यू किया है. खान, कपूर और कुमार के इतर हिंदी भाषी दर्शकों ने इन्हें भी पलकों पर बिठाया है. प्रभास तो बॉलीवुड के लिए भी सबसे बड़ी आस बनकर उभरे हैं.

सामंथा संग 'कुशी' करेंगे

'लाइगर' के फ्लॉप होने के बाद विजय ने सोशल मीडिया से कुछ महीनों का ब्रेक ले लिया था. बाद में उन्होंने एक अवॉर्ड फंक्शन में धमाकेदार एंट्री ली थी. हाल ही में 'लाइगर' के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उलझने पर विजय को ईडी के सामने भी पेश होना पड़ा था. वह जल्द ही सामंथा रुथ प्रभु के साथ 'कुशी' में नजर आएंगे. हाल ही में उन्हें मुंबई में भी स्पॉट किया गया था. कयास है कि वह दूसरी हिंदी फिल्म साइन करने के लिए मायानगरी पहुंचे थे.

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं गौतम

निर्देशक गौतम तिन्नौरी की पिछली फिल्म उनकी तेलुगू ब्लॉकबस्टर 'जर्सी' का हिंदी रीमेक थी. इसे उन्होंने ही डायरेक्ट किया था. तेलुगू फिल्म ने बेस्ट फिल्म और बेस्ट एडिटिंग के लिए 2 राष्ट्रीय पुरस्कार जीते थे.

महिला सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण हुआ प्रभावित

TV मैजिक

शो 'वागले की दुनिया: नई पीढ़ी नये किस्से' में राजेश वागले की भूमिका निभा रहे सुमीत राघवन का मानना है कि टेलीविजन पर एक पिता का किरदार निभाने से महिला सुरक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण प्रभावित हुआ है. सुमीत कहते हैं, 'मुझे लगता है कि पैरेंट होना सबसे कठिन लेकिन सुखद अनुभवों में से एक है. रियल और रील लाइफ में मुझे अपनी प्यारी बेटी दीया और 'वागले की दुनिया' में चिन्मयी साल्वी का पिता बनने का सम्मान मिला है. बेटी का पिता होने का सफर बहुत नाजुक होता है क्योंकि बेटियों की परवाह न करना सबसे मुश्किल है. एक पैरेंट के तौर पर मेरा मानना है कि हमें न केवल अपनी बेटियों की सुरक्षा करनी चाहिये बल्कि अपने बेटों को भी जागरूक करना चाहिये. हमें अपने बच्चों के लिये अच्छा उदाहरण बनना चाहिये ताकि वे समाज में सकारात्मकता की रोशनी फैलाएं.' उन्होंने कहा, 'महिला सुरक्षा ऐसी बात है जिसे लेकर एक समुदाय के तौर पर हमने हमेशा संघर्ष किया है और जागरूकता बढ़ाना इस समस्या को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. जब तक लोग महिलाओं को रोजाना होने वाली असहजता नहीं समझेंगे तब तक बदलाव की कोशिश नहीं करेंगे.'

कमबैक करेंगी ईशा

अभिनेत्री ईशा देओल एक बार फिर अभिनय की दुनिया में अपनी सक्रियता बढ़ा रही हैं. शादी करने के बाद उन्होंने धीरे-धीरे फिल्मों से दूरी बना ली थी लेकिन अब ईशा बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार है. वह अमित साध अभिनीत एक फिल्म से लौट रही हैं.

मिला अमित साध का साथ

निर्माता प्रदीप रंगवानी की इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं है. इस फिल्म में अमित के अलावा सीमा बिस्वास और तिग्मांशु धूलिया भी अहम भूमिका में हैं. ईशा ने कहा, 'इस फिल्म में मेरी भूमिका जीवन में महिलाओं के विकास को दर्शाती है. यह एक मजबूत लेकिन सरल संदेश देती है कि एक महिला सबकुछ हासिल कर सकती है.' उन्होंने बताया, 'मेरा किरदार प्रभावी रूप से दर्शाता है कि कैसे एक महिला खुद को खोजती है और जीवन में कुछ बड़ा करती है.' अमित के साथ काम करने को लेकर ईशा ने कहा, 'अमित हिंदी सिनेमा के कलाकारों की नई पीढ़ी के एक बेहतर और करिश्माई अभिनेता हैं. मैं उनके काम को पसंद करती हूं. अमित के साथ काम करने का यह अनुभव एक नया अनुभव होगा और मेरा विश्वास है कि हर अनुभव हमें जीवन में एक बेहतर इंसान बनाने में मदद करता है.'

मुंडा सोना हूं मैं...

कृति और कार्तिक की दिखी जबरदस्त केमिस्ट्री

कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की फिल्म 'शहजादा' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ था. यह फिल्म साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन और पूजा हेगड़े की तेलुगू फिल्म 'अला वैकुंठपुरमलू' की रीमेक है. फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. अब फिल्म का पहला गाना रिलीज हुआ है जिसका नाम है 'मुंडा सोना हूं मैं.' इस गाने में कार्तिक और कृति की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली. कार्तिक के फैंस इस गाने को भी बहुत पसंद कर रहे हैं. यह बीच पार्टी का माहौल दे रहा है. इसे दिलजीत दोसांझ और निकिता गांधी ने गाया है जबकि इसे बॉस्को सीजर ने कोरियोग्राफ किया है. फिल्म का निर्देशन रोहित धवन ने किया है. यह फिल्म एक्शन से भरपूर पारिवारिक म्यूजिकल ड्रामा है. यह 10 फरवरी को रिलीज होगी. फिल्म में परेश रावल और मनीषा कोइराला भी शामिल हैं.

'बड़ों' संग काम, तभी सम्मान

विजय सेतुपति पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं. 2023 में वह 'फर्जी' और 'जवान' के साथ हिंदी सिनेमा में भी डेब्यू कर रहे हैं.

विजय सेतुपति

'फर्जी' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में उन्होंने कहा कि हिंदी भाषी क्षेत्र के लोग उन्हें तब गंभीरता से लेते हैं जब वह बताते हैं कि शाहरुख और कैटरीना के साथ काम कर रहे हैं. उन्होंने हंसते हुए कहा, 'जब मैं कहता हूं कि राज और डीके के साथ हिंदी प्रोजेक्ट कर रहा हूं तो मुझे यह भी बताना पड़ता है कि इसमें शाहिद कपूर भी हैं. तभी वे कहते हैं, अरे वाह! तभी, वे मेरा सम्मान करते हैं. मैं 12 वर्षों में 55 फिल्में कर चुका हूं. शायद यह उनके लिए काफी नहीं है.'

बोनी करेंगे एक्टिंग

निर्माता बोनी कपूर निर्देशक लव रंजन की 'तू झूठी मैं मक्कार' से अपना एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं. वह इस फिल्म में रणबीर कपूर के पिता की भूमिका निभाएंगे. एक इंटरव्यू में बोनी ने अपने बैनर तले बनी फिल्मों 'मिस्टर इंडिया' और 'नो एंट्री' के सीक्वल पर बात की.

उन्होंने कहा कि कई स्टूडियोज से उनकी बहुत सी फिल्मों को फ्रेंचाइजी में ढालने के प्रस्ताव मिले हैं. इनमें 'वॉन्टेड', 'नो एंट्री' और 'मिस्टर इंडिया' के सीक्वल की सबसे ज्यादा मांग है. मैं 'मिस्टर इंडिया 2' भी बनाऊंगा. मैं जल्द ही इस पर काम शुरू करने जा रहा हूं. हालांकि मैं 'नो एंट्री' सीक्वल के बारे में सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं बता सकता.' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म किसी कानूनी पचड़े में नहीं फंसी है जैसा कि मीडिया में बीते कुछ समय से कयास लगाए जा रहे हैं.

पहाड़ों में मुसीबत में फंसीं रुबीना

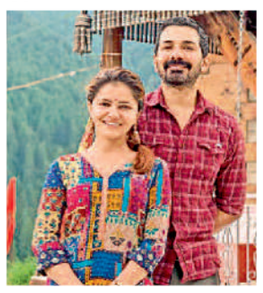

टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक को जब भी फुरसत मिलती है वह अपने पति अभिनव शुक्ला और दोस्तों के साथ हिमाचल प्रदेश की वादियों में वेकेशन मनाने निकल जाती हैं. हालांकि इस बार उनके वेकेशन पर पानी फिर गया. हाल ही में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि वह पति के साथ वेकेशन मनाने गई थीं लेकिन वापसी में वह मुश्किल में फंस गईं. रुबीना-अभिनव अपने दोस्त बेनाफ ददचंदजी, उनके पति और बेटी के साथ हिमाचल प्रदेश में वेकेशन मनाने गए थे. वहां पहुंचने के बाद रुबीना ने खूब सारी मस्ती की और क्वालिटी टाइम स्पेंड किया. हालांकि वेकेशन खत्म कर उन्होंने वापसी की तो सारी मस्ती पर पानी फिर गया. जब वह वेकेशन खत्म कर बॉम्बे के लिए वापसी कर रहे थे तब उन्हें पता चला कि गाड़ी की बैटरी डेड हो चुकी है. जिस जगह रुबीना रुकी थीं वहां आस-पास कोई शख्स भी नहीं था जिससे वह मदद मांग सकें. ऊपर से उनके एरिया में नेटवर्क भी नहीं आ रहा था. वह वाई-फाई के जरिए कॉल कर पा रही थीं. ऐसे में उन्हें किसी की मदद भी नहीं मिल रही थी.

नए घोटाले सामने लाएगा 'ह्यूमन 2'

मेडिकल थ्रिलर सीरीज 'ह्यूमन' के पहले सीजन को रिलीज हुए एक साल पूरे हो चुके हैं. इसका एक साल पूरा होने पर निर्देशक विपुल शाह ने बताया कि वह जल्द ही इस सीरिज का दूसरा सीजन लाने वाले हैं. 'ह्यूमन' के पहले सीजन में शेफाली शाह, कृति कुल्हरी, विशाल जेठवा जैसे एक्टर्स ने काम किया था. निर्देशक ने बताया कि दूसरे सीजन में मेडिकल साइंस की दुनिया से जुड़े नए घोटालों को सामने लाया जाएगा. यह सीजन भी काफी ज्यादा फैक्चुअल और रिसर्च बेस्ड होने वाला है. सबसे जरूरी बात यह कि हमारे पास एक बहुत अच्छी स्क्रिप्ट होनी चाहिए.' विपुल शाह ने कहा, 'जब यह तैयार हो जाएगी तो हम इसका मूल्यांकन करेंगे कि यह 'ह्यूमन' पार्ट 1 से बेहतर है या नहीं. हम 'ह्यूमन' पार्ट 1 को 'ह्यूमन' पार्ट 2 से हराना चाहते हैं. हम नया और चौंकाने वाला कंटेंट लाना चाहते हैं.'

एडवेंचर सीरीज में दुबई का रोमांच

एडवेंचर मिनी-सीरीज 'ए स्पिन अराउंड दुबई' की कहानी में भाई-बहन की जोड़ी जेमी और जेसी लीवर को अगले डेस्टिनेशन के रूप में दुबई को चुनते हैं जो रोमांच प्रदान करता है. उनके हाथ में एक चरखा होता है जो यह तय करता है कि वे शहर में कहां जाएंगे. इस सीरीज में दुबई के 9 रोमांचक स्थानों पर विचित्र गतिविधियों की पड़ताल की गई है, जो भाई-बहन अपने हास्यपूर्ण ट्विस्ट के साथ करते हैं. इसमें दुबई के कुछ बेहतरीन स्थानों बुर्ज खलीफा, स्काई व्यू ऑब्जर्वेटरी आदि से रूबरू कराया जाता है. इस एमएक्स प्लेयर मिनी-सीरीज में दुबई के लोगों और वहां की संस्कृति की अनूठी झलक पेश की गई है. जेमी लीवर ने कहा कि दुबई हमेशा अपने अभिनव अनुभवों और वास्तुकला के लिए जाना जाता है, लेकिन हमने जो शूट किया है वह कई तरह से यादगार अनुभव हैं.

Gadgets जोन

आइकू का Neo 7 16 फरवरी को लॉन्च होगा. यह फोन मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8200 प्रोसेसर, 120 वॉट चार्जिंग और 64 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरा जैसे फीचर्स से लैस है. फोन में कंपनी 6.78 इंच का फुल एचडी+ डिस्प्ले दे रही है. यह डिस्प्ले 120Hz के रिफ्रेश रेट सपोर्ट करता है. फोन 16जीबी तक की LPDDR5 रैम से लैस है.

120W की फास्ट चार्जिंग वाला आइकू नियो 7

इसकी इंटरनल मेमरी 512जीबी तक की है. प्रोसेसर के तौर पर इस फोन में कंपनी Mali G610 GPU के साथ डाइमेंसिटी 8200 चिपसेट दे रही है. फोन में फोटोग्राफी के लिए आपको एलईडी फ्लैश के साथ 3 रियर कैमरे देखने को मिलेंगे. इनमें 64 मेगापिक्सल के प्राइमरी लेंस के साथ एक 2 मेगापिक्सल का डेप्थ और एक 2 मेगापिक्सल का मैक्रो सेंसर शामिल है. सेल्फी के लिए इस फोन में कंपनी 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा देने वाली है. इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर से लैस इस फोन में आपको 5000mAh की बैटरी मिलेगी. यह बैटरी 120 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है. फोन एंड्रॉयड 13 पर बेस्ड Origin OS 3.0 पर काम करेगा.

कैसे जानें करिअॅर में बदलाव का वक़्त है

करिअर में बदलाव का मतलब जॉब बदलने से मत लगाइए. यहां दी जा रहीं कुछ सलाहें उनके लिए हैं जो एकदम नए क्षेत्र में कुछ नई दिशा तलाशने की सोच रहे हैं. करिअर बदलने को लेकर किसी भी निर्णय पर अमल करने से पहले इन बातों पर गौर करें-

करिअर जोन

★ अगर आप कुछ और सीखने के नाम पर ही ऊबने लगते हैं तो करिअर बदलने में परेशानी होगी.

★ अगर आपको करिअर में बदलाव की इच्छा बेचैन बनाए रखती है, आप हर समय इसी कोशिश में लगे रहते हैं तो आपके भीतर की यह आवाज सही साबित हो सकती है.

★ अगर करिअर में बदलाव आप अपने बॉस या ऑफिस के लोगों के बीच तालमेल नहीं होने के कारण करना चाहते हैं तो यह गलत है क्योंकि चुनौतियां हर नौकरी में होती हैं. तो जब आप इन कसौटियों पर अपने को कस लें तो इन बातों पर अमल करें:

नेटवर्क बनाएं

कोई भी बिना अच्छे मेंटर या बिना परिचितों के नेटवर्क के बढ़िया करिअर नहीं बना पाता है. यहां नेटवर्किंग से आशय अच्छी सलाह पाने से है. आपको सही लोगों तक पहुंच बनानी है. बस इतना कहना या उन्हें लिखना है कि मैं करिअर फील्ड बदलने की सोच रहा हूं. क्या आपके पास मुझसे बात करने के लिए पांच मिनट होंगे? आपका जुनून, इस तरह सीखने की भूख और नए अनुभव को ग्रहण करने का गुण आपको अच्छे मेंटर्स से जोड़ देगा.

फाइनेंस

सच है कि जब आप करिअर में बदलाव करेंगे तो आपको वेतन और पद से समझौता करना पड़ सकता है. ऐसा बिजनेस शुरू करने के मामले में भी हो सकता है. बिजनेस का लाभ मिलने में समय लगता है. ऐसे में कुछ समय तक के लिए वित्त की व्यवस्था पक्की कर लें.

हिचकिचाहट

अगर अभी भी हिम्मत नहीं बंध रही तो जिस नई इंडस्ट्री में काम करना चाहते हैं तो नौकरी न छोड़ें. छुट्टी के दिनों में बिजनेस पर काम करें. आप समझ पाएंगे कि आपके लिए क्या करना सही रहेगा.

इन बातों का ध्यान रखें

वर्तमान अधिकारियों या संपर्कों से रिश्ते खराब न करें. यह बहुत छोटी दुनिया है. किसी से भी कहीं मुलाकात हो सकती है.

अपने वर्तमान करिअर के अनुभव को बेकार न समझें. कुछ स्किल्स की जरूरत हर जगह होती है. नए काम में कुछ बेचैनी हो सकती है.

उत्तराखंड में राजमार्ग NH-7 पर भूस्खलन का खतरा बढ़ने की आशंका

एजेंसी

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तराखंड में जोशीमठ से लेकर ऋषिकेश के बीच वनस्पति के लगातार कटाव और पहाड़ों के ढलानों के अस्थिर होने के कारण राजमार्ग का यह हिस्सा संवेदनशील हो गया है और यहां भूस्खलनों की घटनाओं में वृद्धि होने की आशंका है। वैज्ञानिकों ने एनएच-7 पर 247 किलोमीटर लंबे मार्ग के लिए प्रति किलोमीटर 1.25 बार हिमस्खलन आने का जोखिम दर्ज किया है। यह अध्ययन भूस्खलनों के व्यवस्थागत सर्वेक्षण और सांख्यिकीय मॉडल पर आधारित है जिसका मकसद उच्च स्थानिक रेजोल्यूशन में एनएच-7 पर भूस्खलन की संवेदनशीलता का पता लगाना है। सितंबर और अक्टूबर 2022 में अत्यधिक बारिश के बाद इस कोरिडोर पर 300 से अधिक भूस्खलनों की सूची पर आधारित अध्ययन में बड़ी घटनाओं को नियंत्रित करने वाले मुख्य कारकों की पहचान की गई है।

यहां हुई सर्वाधिक भूस्खलन की घटना

जर्मनी के पोट्सडैम विश्वविद्यालय में पर्यावरण विज्ञान और भूगोल संस्थान के वैज्ञानिक और अध्ययन के लेखक जर्गन मे ने कहा, सबसे अधिक भूस्खलन लिथोजोन 2 के भीतर ऋषिकेश और श्रीनगर के बीच तथा लिथोजोन 1 के तहत पीपलकोटी और जोशीमठ के बीच हुए। लिथोजोन एक जैसे शैल लक्षण की चट्टानें होती हैं। हमने उत्तराखंड के भौगोलिक मानचित्र से शैल लक्षण का पुन:समूह बनाया।

वर्षा की दृष्टि से कमजोर हैं चट्टानें

पंजाब के रोपड़ में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्रोफेसर रीत कमल तिवारी ने कहा, हां, ये चट्टानें भारी बारिश के लिहाज से कमजोर है लेकिन हिमालय के कई हिस्सों में ऐसे ही तत्व हैं इसलिए ऐसे क्षेत्रों को नजरअंदाज करना मुश्किल है। हालांकि, उचित स्थिरता उपायों के जरिए ऐसे ढलान सुरक्षित बनाए जा सकते हैं। अध्ययन में कहा गया है कि टेक्टोनिक गतिविधि ने तीखे मोड़ बनाकर चट्टानों की मजबूती को कमजोर किया है। सड़कों को वनस्पतियों को हटाकर और मिट्टी तथा चट्टानों को काटकर चौड़ा किया गया जिससे ढलान अस्थिर हो गए। अगर भूमि का इस्तेमाल मौजूदा प्रवृत्ति के अनुसार बदलता रहता है तो हम भविष्य में भूस्खलन में वृद्धि देखेंगे। हमें शहरों की योजना तथा अन्य ऐसी गतिविधियों की योजना बनाते समय इन प्रवृत्तियों का विश्लेषण करने की आवश्यकता है।

एनटीपीसी की गतिविधि रोकने की मांग हुई तेज

भू-धंसाव के शिकार जोशीमठ में लोगों की निकासी और जर्जर हो गए ढांचों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई चल रही है। इसी बीच, राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम की इलाके में चल रही गतिविधियों को रोकने की मांग भी तेज हो रही है। लोगों का आरोप है कि उसकी परियोजना भी भू-धंसाव के कारणों में से एक है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि 520 मेगावाट की तपोवन विष्णुगढ़ जल विद्युत परियोजना के लिए खोदी जा रही करीब 12 किलोमीटर लंबी सुरंग की वजह से भू-धंसाव की समस्या विकराल हुई।

एक नज़र

अल्पसंख्यकों की पहचान का मामला

राजस्थान समेत छह राज्यों से SC ने जताई नाराजगी

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राज्य स्तर पर अल्पसंख्यकों की पहचान के मुद्दे पर राजस्थान व जम्मू-कश्मीर सहित छह राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा केंद्र को अपनी राय नहीं देने पर मंगलवार को नाराजगी जताई।

न्यायाधीश एस. के. कौल, न्यायाधीश ए. एस. ओका और न्यायाधीश जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने कहा कि वह यह नहीं समझ पा रही है कि इन राज्यों ने अपना जवाब क्यों नहीं दिया। हम केंद्र सरकार को उनकी प्रतिक्रिया लेने का अंतिम अवसर देते हैं, ऐसा नहीं होने पर हम मान लेंगे कि उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है।

केंद्र की ओर से पेश अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कार्य मंत्रालय द्वारा दायर हालिया स्थिति रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि 24 राज्यों और छह केंद्रशासित प्रदेशों ने अब तक इस संबंध में अपनी टिप्पणी दी है। पिछले सप्ताह दायर स्थिति रिपोर्ट में कहा गया है कि अरुणाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, झारखंड, लक्षद्वीप, राजस्थान और तेलंगाना से अभी तक जवाब नहीं मिला है।

एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हिंदू अल्पसंख्यक हैं। पीठ ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेशों का शासन केंद्र द्वारा संचालित है। इस मामले के याचिकाकर्ताओं में से एक अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मामला है। पीठ ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 21 मार्च की तारीख तय की है।

ट्रक चालकों के लिए काम के घंटे होंगे तय, बनेगा कानून

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि ट्रक चालकों के काम के घंटे निर्धारित करने के लिए एक कानून लाया जाएगा तथा वर्ष 2025 के समाप्त होने से पहले सड़क दुर्घटनाओं को 50 प्रतिशत तक कम करने का प्रयास किया जा रहा है। बुधवार को जारी एक सरकारी बयान में यह जानकार दी गई है। सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान एक अभियान में उन्होंने कहा कि सड़क मंत्रालय सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रतिबद्ध है और सड़क सुरक्षा के सभी 4ई - इंजीनियरिंग, प्रवर्तन (इंफोर्समेंट), शिक्षा (एजुकेशन) और आपात स्थिति (इमर्जेन्सी) के क्षेत्र में कई कदम उठाए गए हैं। इस वर्ष, मंत्रालय ने सभी के लिए सुरक्षित सड़क का प्रचार करने के लिए 11 से 17 जनवरी तक सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया।

मुंबई-गोवा राजमार्ग पर हुआ हादसा

ट्रक और वैन की टक्कर में दस जनों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में मुंबई-गोवा राजमार्ग पर गुरुवार सुबह ट्रक और वैन की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घार्गे ने बताया कि यह हादसा रायगढ़ के रेपोली गांव के पास सुबह 4.45 बजे हुआ। उन्होंने बताया कि सभी पीड़ित लोग वैन से रत्नागिरी जिले में गुहागर जा रहे थे। दुर्घटना स्थल मुंबई से करीब 130 किलोमीटर दूर है। घटना की सूचना मिलते के पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। अधिकारी के मुताबिक हादसे में घायल चार साल के एक बच्चे ने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों में 12 वर्षीय एक लड़की और तीन महिलाएं शामिल हैं।

PM ने कर्नाटक में कई परियोजनाओं का किया शिलान्यास-उद्घाटन

प्रधानमंत्री ने गिनाए डबल इंजन सरकार के फायदे

एजेंसी

यादगिर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भाजपा की सरकारों की प्राथमिकता केवल विकास है, जबकि कर्नाटक में शासन कर चुके दूसरे दलों की 'वोट बैंक' की राजनीति के कारण दक्षिण के इस राज्य के कुछ क्षेत्र पिछड़ेपन के शिकार हो गए।

यहां के पास कोडेकल में सिंचाई, पेयजल और राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने के साथ ही प्रधानमंत्री ने 'डबल इंजन' सरकार होने के फायदे भी गिनाए और कहा कि इससे 'दोगुना कल्याण और दोगुना विकास' होता है। केंद्र के साथ-साथ राज्यों में भी भाजपा की सरकार बने, इसके लिए 'डबल इंजन' की सरकार भाजपा का प्रमुख चुनावी मुद्दा रहा है। कर्नाटक में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्तारूढ़ भाजपा कर्नाटक में मई में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है और उसने कुल 224 में से कम से कम 150 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में प्रधानमंत्री का डबल इंजन सरकार पर जोर देने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने के बाद मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि देश अगले 25 वर्षों के नए संकल्पों को सिद्ध करने के लिए आगे बढ़ रहा है।

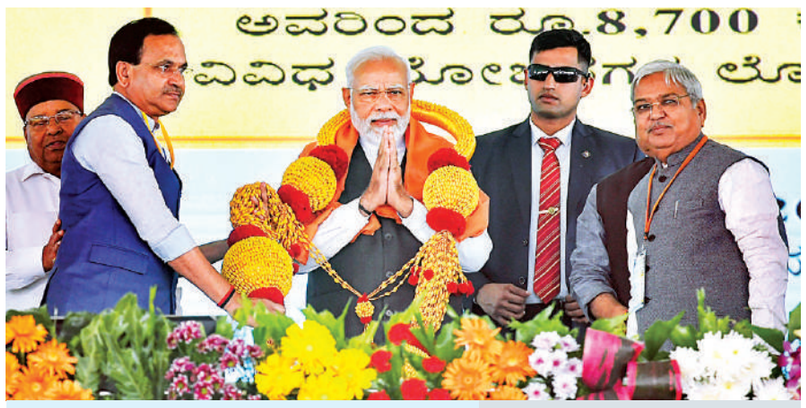

हमारी प्राथमिकता सिर्फ विकास की

पीएम मोदी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने यादगिर और उत्तरी कर्नाटक के आसपास के इलाकों को पिछड़ा घोषित कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया था, लेकिन उनकी सरकार ने यादगिर सहित देश के 100 से अधिक जिलों में आकांक्षी जिला कार्यक्रम शुरू किया। किसी पार्टी या सरकार का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि हर परियोजना और कार्यक्रमों को एक चश्मे से देखा गया कि कैसे एक विशेष समुदाय के वोटों को सिर्फ एक मजबूत वोट बैंक में परिवर्तित किया जाए तथा इसका सबसे बड़ा नुकसान कर्नाटक और इस क्षेत्र के लोगों को उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि हमने इन जिलों में सुशासन पर बल दिया है। विकास के पैमाने पर काम शुरू किया है।

1 महीने में पीएम मोदी का दूसरा दौरा

कर्नाटक में मोदी का इस महीने इस प्रकार का यह दूसरा दौरा है। इससे पहले वह राष्ट्रीय युवा महोत्सव के उद्घाटन के लिए हुब्बल्लि आए थे और उन्होंने इस दौरान एक रोड शो भी किया था।

कई परियोजनाओं की रखी आधारशिला

प्रधानमंत्री ने इससे पहले सभी घरों में नल से जल की आपूर्ति के माध्यम से स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल प्रदान करने के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप जल जीवन मिशन के अंतर्गत यादगिर बहु-ग्राम पेयजल आपूर्ति योजना की आधारशिला भी रखी। इस योजना के तहत 117 एमएलडी का जल शोधन संयंत्र बनाया जाएगा। करीब 2,050 करोड़ रुपए लागत वाली इस परियोजना से यादगिर जिले की 700 से अधिक ग्रामीण बस्तियों और तीन कस्बों के लगभग 2.3 लाख घरों को पेयजल उपलब्ध होगा। कार्यक्रम के दौरान, पीएम ने नारायणपुर लेफ्ट बैंक नहर-विस्तार नवीकरण और आधुनिकीकरण परियोजना का भी उद्घाटन किया।

देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अमृत काल

पीएम ने कहा कि यह 25 साल देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अमृत काल है। प्रत्येक राज्य के लिए अमृत काल है। अमृत काल में हमें विकसित भारत का निर्माण करना है। भारत विकसित तब हो सकता है जब देश का हर नागरिक, हर परिवार, हर राज्य इस अभियान से जुड़े। भारत विकसित तब हो सकता है, जब खेत में काम करने वाला किसान हो या फिर उद्योगों में काम करने वाले श्रमिक, सभी का जीवन बेहतर हो। आजादी के 75वें वर्ष से लेकर 100वें वर्ष तक के सफर को प्रधानमंत्री अक्सर अमृत काल कह कर पुकारते हैं। पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर इसका उल्लेख करते हुए पीएम ने इस कालखंड में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का आह्वान किया।

देश अपनी ताकत व क्षमता से बढ़ रहा आगे

मुंबई। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि आजादी के बाद पहली बार भारत बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का साहस कर रहा है। मोदी ने मुंबई में 38,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद कहा कि दुनियाभर में भारत के बारे में सकारात्मक रूख है क्योंकि सभी जानते हैं कि देश अपनी ताकत और क्षमता के बल पर आगे बढ़ रहा है। भारत अब 'अभूतपूर्व आत्मविश्वास' से भरा हुआ है और देश अपने आधुनिक दृष्टिकोण के साथ बेहतर प्रगति कर रहा है। मोदी ने कहा कि मुंबई का विकास कुछ समय के लिए धीमा हो गया था, लेकिन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सत्ता में आने के बाद तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब गरीबों के कल्याण के लिए उपलब्ध धन का दुरूपयोग किया जाता था।

अंबानी के बेटे अनंत की राधिका से सगाई

एजेंसी

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत और कारोबारी वीरेन मर्चेंट की बेटी राधिका की गुरुवार को सगाई हो गई है। मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया में गोल धना और चुनरी विधि की रस्में निभाई गईं। ये रस्में गुजराती हिंदू परिवारों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही हैं। इस मौके पर अंबानी परिवार के सदस्यों ने एक सरप्राइज डांस परफॉर्मेंस दी। एक दिन पहले मेहंदी सेरेमनी आयोजित की गई। दोनों का रोका पिछले साल 29 दिसंबर को राजस्थान के नाथद्वारा में श्रीनाथजी मंदिर में हुआ था। सगाई कार्यक्रम में मुकेश अंबानी के छोटे भाई अनिल अंबानी पत्नी टीना अंबानी के साथ शामिल हुए।

सम्मेद शिखरजी धार्मिक स्थल ही रहेगा: लालपुरा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के प्रमुख इकबाल सिंह लालपुरा ने बुधवार को कहा कि केंद्र और झारखंड सरकार ने तय किया है कि जैन स्थल सम्मेद शिखरजी तीर्थस्थल ही रहेगा और इसे पर्यटन केंद्र के तौर पर परिवर्तित नहीं किया जाएगा। लालपुरा ने कहा कि आयोग ने मंगलवार को इस मामले पर सुनवाई की थी जहां झारखंड सरकार ने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही इस बाबत आदेश जारी करेगी। लालपुरा ने यहां प्रेस वार्ता में कहा, झारखंड में सम्मेद शिखर को लेकर जैन समुदाय के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इसे लेकर तय किया गया है कि यह तीर्थस्थल ही रहेगा। उन्होंने कहा, शराब या मांस की वहां पर अनुमति नहीं होगी।

साहित्यकार नीलमणि फूकन का निधन

गुवाहाटी। ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित मशहूर असमी साहित्यकार नीलमणि फूकन का अधिक उम्र संबंधी बीमारियों के कारण यहां निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री हैं। फूकन को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद बुधवार को एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें गौहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मशहूर कवि के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। काव्य ऋषि नीलमणि फूकन उज्ज्वल साहित्यिक सितारों में से एक थे, जिन्होंने असमी साहित्य को समृद्ध किया।

शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट-2022 जारी

कोविड की मार: स्कूली विद्यार्थियों के ट्यूशन पढ़ने का अनुपात 4% बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। कोविड महामारी से पहले की तुलना में देश भर में स्कूल के बाद ट्यूशन जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में चार फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह जानकारी एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसईआर) 2022 से मिली है। एएसईआर राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण है जो ग्रामीण भारत में बच्चों के स्कूल जाने व शिक्षा से संबंधित तस्वीर मुहैया कराता है। बुधवार को जारी इस रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड समेत कुछ राज्यों में ट्यूशन जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या आठ प्रतिशत बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण भारत में पहली से आठवीं कक्षा तक के बच्चों का बीते दशक में ट्यशून लेने के अनुपात में लगातार बढ़ोतरी हुई है। 2018-2022 के बीच यह अनुपात सरकारी व निजी दोनों प्रकार के स्कूलों के विद्यार्थियों में बढ़ा है। राष्ट्रीय तौर पर पहली से आठवीं कक्षा के बच्चों का ट्यूशन लेने का अनुपात 2018 में 26.4 प्रतिशत था जो 2022 में बढ़कर 30.5 फीसदी हो गया है।

लड़कियों का अनुपात 2% गिरा

भारत में स्कूल नहीं जाने वाली लड़कियों का अनुपात 2022 में अब तक की सबसे कम दर दो प्रतिशत पर आ गया है। बुधवार को जारी शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) 2022 में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि समग्र गिरावट के बावजूद, तीन राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 10 प्रतिशत से अधिक लड़कियां स्कूल नहीं जा रही हैं जो चिंता का विषय है। स्कूल नहीं जाने वाली लड़कियों का कुल अनुपात 2018 में 4.1 प्रतिशत और 2006 में 10.3 प्रतिशत था।

70 फीसदी बच्चे जाते हैं ट्यूशन

उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में सशुल्क ट्यूशन लेने वाले विद्यार्थियों का अनुपात 2018 के स्तर से आठ प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। पश्चिम बंगाल, बिहार जैसे कई राज्यों में बच्चों को ट्यूशन भेजना परंपरा लगती है जहां निजी स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम है लेकिन तकरीबन 70 फीसदी बच्चे ट्यूशन के लिए जाते हैं। बिहार और झारखंड ऐसे राज्य हैं जहां बच्चों को ट्यूशन भेजने का ज्यादा चलन है। इसमें कहा गया है कि 2022 में बिहार में 70 फीसदी जबकि झारखंड में 45 प्रतिशत बच्चों ने ट्यूशन ली जबकि हिमाचल प्रदेश में यह स्तर 10 फीसदी और महाराष्ट्र में 15 प्रतिशत है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि महामारी के बाद के दौर में अन्य राज्यों में ट्यूशन का दायरा बढ़ सकता है, क्योंकि पढ़े-लिखे युवक- युवतियां नौकरियों के इंतजार में इसके लिए तैयार हैं।

एक नज़र

मैं संगीत के जरिए अपनी बात अच्छे से व्यक्त कर पाई: उषा उथुप

पत्रकार विकास झा द्वारा लिखी उषा उथुप की जीवनी 'उल्लास की नाव' का अंग्रेजी अनुवाद सृष्टि झा ने 'द क्वीन ऑफ इंडियन पॉप' शीर्षक से किया है। किताब की चर्चा पर आयोजित सत्र में लेखिका सत्या सरन ने उथुप और सृष्टि झा से संवाद किया। किताब से उषा ने अपने बचपन की यादों को साझा किया। इसमें उनके द्वारा की गई पतंगबाजी अहम् थी। उन्होंने बताया, शायद पतंग उड़ाते हुए ही मैंने ठान लिया था, कि मुझे 'फ्लाई हाई' पर फोकस करना है। उन्होंने कहा, कि मैं संगीत से अपनी बात को अच्छी तरह व्यक्त कर पाई।

लेखन निरंतर चलने वाली प्रक्रिया: अब्दुल रज़ाक

उद्घाटन अवसर पर वर्ष 2021 में साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखक अब्दुल रजाक गुरनाह ने कीनोट एड्रेस दिया। वे लेखन के साथ कैंट यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी के प्रोफेसर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लेखन निरंतर चलने वाली प्रकिया का नाम है। ये आपकी दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए। लिखते वक्त ये मत सोचो कि आपको किसी की प्रेरणा बनना है या कोई अवॉर्ड मिलेगा या कभी नोटिस किया जाएगा। आपको बस भटकाव से दूर रहते हुए लिखना है और यही सच है। इस प्रक्रिया में आप उन विचारों और विश्वासों को सहज पाएंगे, जो आपके लिए महत्वपूर्ण है और मायने रखते हैं।

कहानियों ने मुझे गढ़ा है: दीप्ति नवल

अभिनेत्री दीप्ति नवल ने अपनी आने वाली किताब 'ए कंट्री कॉल्ड चाइल्डहुड' पर बात की। आत्मकथा होते हुए भी किताब उस देश की कहानी कहती है, जिसे दीप्ति ने अपना बचपन कहा। उन्होंने कहा, जब मैंने अपने बचपन के बारे में लिखना शुरू किया तो मैं सिर्फ अपने बारे में नहीं, बल्कि उस समय के बारे में लिखना चाह रही थी, जो मैंने जिया था। किताब में वो कहानियां हैं, जिन्हें मैंने नहीं, बल्कि उन कहानियों ने मुझे गढ़ा है। किताब में विश्वयुद्ध, इंदिरा गांधी, 62 और 65 का युद्ध, विभाजन का दौर दर्ज है।

फेस्टिवल डेकोर की थीम 'उत्सव'

जेएलएफ-2023 का आगाज सुबह 9.50 पर फ्रंट लॉन में हुआ। इस वर्ष फेस्टिवल डेकोर की थीम 'उत्सव' है। उत्सव राजस्थान के रंगों का जश्न मनाना और उज्जवल रंगों का प्रदर्शन है। भारतीय शादियां अपने जीवंत रंगों, धूमधाम, गूंजते संगीत और एक नई शुरुआत की खुशियों को उत्सव के रूप में मनाने का एक आदर्श उदाहरण है। इस वर्ष अपनी डेकोर थीम उत्सव के साथ फेस्टिवल ने दर्शकों को उसी आनंद का अनुभव कराने का प्रयास किया, जो उन्हें भारतीय पारंपरिक उत्सव से मिलता है। इस वर्ष फेस्टिवल की साज-सज्जा और थीम के जरिए भारतीय सांस्कृतिक विरासत को दिखाने की कोशिश की है।

होटल क्लार्क्स आमेर में शुरू हुआ 16वां

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पढ़ो, क्योंकि पढ़ना जरूरी है। यदि पढ़ोगे तो कोई भी आपको बेवकूफ नहीं बना पाएगा और न ही आप पीछे रहोगे। यदि मुझे प्रधानमंत्री से कोई सवाल करना हो तो युवाओं के लिए सवाल करूंगा। मेरा मानना है कि वे देश के सबसे ताकतवर इंसान हैं और उनको सवालों के जवाब देने चाहिए। ये विचार थे राइटर सौरभ द्विवेदी के, जो उन्होंने गुरुवार से जयपुर के क्लार्क्स आमेर होटल में शुरू हुए जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान रखे। उन्होंने युवाओं को ज्यादा से ज्यादा पढ़ने की आदत डालने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं दीप्ति नवल, अजयपाल लांबा, शशि थरूर आदि के सेशन खास रहे, जिसमें उन्होंने कई समसामयिक सब्जेक्ट पर बात की।

कर्नाटिक संगीत से आगाज

फेस्टिवल का आगाज कर्नाटिक संगीत की पुरस्कृत सिंगर सुषमा सोमा के स्वरों से हुआ। गुलाबीनगर की सर्द सुबह में सिंगर ने सुरों से शास्त्रीय संगीत का जादू चलाया। उन्होंने कन्नड़, तमिल और बांग्ला कवियों की यादगार कविताओं को सुरों में पिरोकर पेश किया। सोमा के बाद नाथूलाल ने नगाड़े की थाप से मन की गांठों को खोला।

साहित्यकारों के लिए गढ़ा माहौल

ओपनिंग सेरेमनी में फेस्टिवल प्रोड्यूसर संजॉय के. रॉय ने कहा कि 16 साल पहले डिग्गी पैलेस के दरबार हॉल में इस सपने की शुरुआत की थी। तब सोचा नहीं था, कि एक दिन फेस्टिवल दुनिया का सबसे बड़ा साहित्यिक मंच बनेगा। वास्तव में हम चाहते थे कि एक ऐसे माहौल को गढ़ा जाए, जहां युवा और छात्र खुद साहित्यकारों से संवाद कर सकें।

आरएसएस, अकाली दल को खतरनाक मानते थे अंबेडकर: थरूर

'बीआर अंबेडकर लाइफ एंड टाइम्स' में शशि थरूर और एंटी कास्ट स्कॉलर सुमित समोस ने हिंदुत्व के मुद्दे पर चर्चा की। थरूर ने कहा कि देश में 'वन पर्सन वन वोट' का अधिकार तो मिल गया, लेकिन नेहरू और अंबेडकर चाहते थे कि 'वन पर्सन वन वैल्यू' की अवधारणा भी मजबूत हो। देश में समानता के अधिकार को मजबूत बनाने के लिए ही जवाहरलाल नेहरू और भीमराव अंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आए थे। उनका मानना था कि देश में सभी को समान अधिकार मिले।

पतंगों के मौसम में साहित्य का मंच

माघ का महीना है, रंगों और पतंगों का मौसम है और लिट फेस्ट सज-धज के फिर से हाजिर है। ये शब्द फेस्टिवल को-डायरेक्टर और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित लेखिका नमिता गोखले ने कहे और फेस्टिवल के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि साहित्य का ये महाकुम्भ कथा सरित्सागर निरंतर आपके प्यार के साथ बढ़ता जा रहा है।

वहीं फेस्टिवल के को-डायरेक्टर और लेखक व इतिहासकार विलियम डेलरिम्पल ने कहा कि ओपनिंग सेरेमनी को देखकर यकीं होता है कि दूसरे फेस्टिवल चाहे जो मर्जी कर लें, लेकिन ये नहीं कर सकते। हमारे पास दुनिया के सारे प्रमुख पुरस्कारों से सम्मानित लेखक हैं। फिर वो चाहे नोबेल प्राइज हो, बुकर हो, इंटरनेशनल बुकर हो, साहित्य अकादमी हो, पुलित्जर, डीएससी यहां सब मिलेंगे। फेस्टिवल ने सही मायनों में साहित्य का जश्न मनाते हुए अनुवाद और अनसुनी आवाजों को विश्व पटल पर मुखर किया है।

'राजस्थान इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव' की हुई शुरुआत

'अपनी इंडस्ट्री का इन्वेस्टर तलाशें स्टार्टअप': जोशी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नेशनल स्टार्टअप डे के अवसर पर सोमवार को झालाना स्थित भामाशाह टेक्नो हब में दो दिवसीय 'राजस्थान इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव' की शुरुआत हुई। आई-स्टार्ट तथा स्टार्टअप चौपाल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्थान के उभरते हुए यंग एंटरप्रेन्योर्स ने इन्वेस्टर्स के समक्ष अपने बिजनेस आइडियाज प्रस्तुत किए। इन्हें विशेषज्ञों की ओर से सफलता के टिप्स दिए गए। स्टार्टअप इकोसिस्टम पर फायर साइड चैट के साथ इस कॉन्क्लेव की शुरुआत हुई, जिसमें एम स्ट्रेटजी ग्लोबल के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन मंदार जोशी के साथ स्टार्टअप चौपाल के फाउंडर सुमित श्रीवास्तव ने चर्चा की। इसके तहत स्टार्टअप्स की शुरुआती समस्याओं, फंडिंग, पिचिंग जैसे विविध पहलुओं पर चर्चा की गई। सुमित श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार व स्टार्टअप चौपाल जैसे मंच आपको इन्वेस्टर्स से रूबरू करा करते हैं। फंडिंग के लिए आगे का काम पूरी तरह आपके आइडिया पर निर्भर करता है।

गलतियों से सीखकर बढ़ें आगे

मंदार जोशी ने यंग एंटरप्रेन्योर्स को मोटिवेट करते हुए कहा कि गलतियां सभी से होती हैंऔर भविष्य के बारे में कोई नहीं जान सकता है, जरूरत इस बात की है कि इन गलतियों से सीख कर आगे बढ़ें और भविष्य में इन्हें ना दोहराएं।

जयपुर में शूट हुई फिल्म सांसी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राधा गोविंद फिल्म्स प्रोडक्शन के अंतर्गत बन रही फिल्म 'साहसी' की शूटिंग संपन्न हुई। फिल्म के लेखक-निर्देशक धर्मेंद्र उपाध्याय ने बताया, फिल्म सांसी समाज की लड़की रुकमा के जीवन पर आधारित है, जो एक कबड्डी प्लेयर होती है। उसके जीवन में ऐसे हालात होते हैं कि उसे समाज की कुप्रथा का शिकार होना पड़ता है, लेकिन वह हिम्मत नहीं हारती और समाज का मुकाबला करती हुई अपनी मंजिल प्राप्त करती है। फिल्म में मुख्य भूमिका वर्तिका चतुर्वेदी, संतोष कंवर, सिकंदर चौहान, हैदर साहिब, गोविंद राजपूत, राजवीर गुर्जर, ओपी शर्मा, दिव्या मिश्रा, परी कुशवाह, रेनू सनाढ्य, नारायण सेन, हेमंत जोशी, निर्मला चतुर्वेदी, अजय डागुर हैं। स्टेट राजस्थानी के कंटेंट हैड तनुज व्यास ने बताया कि हम अपने कंटेंट से राजस्थान की कुरीतियों के खिलाफ अपनी आवाज लगातार बुलंद कर रहे हैं।

कलमकार मंच की ओर से राजस्थान साहित्य अकादमी के सहयोग से विद्याश्रम में कार्यक्रम आयोजित

प्रकृति के अनुसार जीना ही आदर्श जीवन है: हरिराम

हिलव्यू समाचार

जयपुर। वरिष्ठ साहित्यकार हरिराम मीणा ने कहा कि 'प्रकृति के अनुशासन के अनुरूप जो जीवन जीया जाएगा, वही आदर्श जीवन है। प्रकृति, मानव और जीव-जंतु, जहां इन तीनों में तालमेल है, सामंजस्य दिखाई देता है, मैं उसे ही आदिवासियत मानता हूं। कलमकार मंच की ओर से राजस्थान साहित्य अकादमी के सहयोग से विद्याश्रम के सुरुचि सभागार में आयोजित कार्यक्रम में साहित्यकार हरिराम मीणा से कथाकार उमा ने संवाद किया। संवाद में हरिराम मीणा ने कहा, अगर हम भारतीय परंपरा को देखें तो राम और कृष्ण के जीवन से भी प्रकृति प्रेम का ही दर्शन होता है। राम के वनवास काल को अगर निकाल दिया जाए तो उनके बाकी बचे जीवन से क्या प्रेरणा ले सकते हैं? शबरी, केवट, जामवंत, सुग्रीव और हनुमान जैसे मित्र उन्हें वनवास काल में ही मिले, जिन्होंने अपने कृतित्व से कुछ ना कुछ सिखाया ही है। वहीं कृष्ण के पूरे जीवन दर्शन में गो-पालक, बांसुरी वादक और गोवर्धन का महत्व विशेष रूप से उल्लेखित किया गया है। संवाद के पूर्व कलमकार मंच के राष्ट्रीय संयोजक निशांत मिश्रा ने संस्थान के उद्देश्यों और रचनात्मक प्रयासों की जानकारी दी। वरिष्ठ कवि और गजलकार एसीपी सुनील प्रसाद शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ कवि, अनुवादक और आलोचक डॉ. दिविक रमेश ने कहा कि हरिराम मीणा के रचना कर्म से हम वैसे तो पहले से परिचित हैं, लेकिन इस संवाद में सम्मिलित होकर हम और समृद्ध हुए हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार रहे मौजूद

कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार नंद भारद्वाज, फारूक आफरीदी, व्यंग्यकार और संपादक डॉ. लालित्य ललित, प्रभात गोस्वामी, स्मिता शुक्ला, डॉ. तारावती, प्रेम लता शर्मा, नवल पांडे, अवनीन्द्र मान, महेश कुमार, नितिन यादव, अनुपमा तिवाड़ी, रवि बालोठिया, चरणसिंह पथिक व गजेंद्र एस श्रोत्रिय, भागचंद गुर्जर, प्रेमचंद गांधी, रमेश खत्री, विजय आनंद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में साहित्यानुरागी उपस्थित रहे।

ढाका इंटरनेशनल फिल्म फेस्ट में सोमेंद्र की मूवी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर के सोमेंद्र हर्ष द्वारा निर्देशित और निर्मित राजस्थानी डॉक्यूमेंट्री फिल्म धींगा गवर का प्रदर्शन 21वें ढाका इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ। फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर ढाका के नेशनल म्यूजियम में हुआ। हर्ष ने फिल्म का प्रतिनिधित्व किया और वहां मौजूद सिने प्रेमिओं से रू-ब-रू हुए। स्क्रीनिंग में ढाका यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ हिंदी इंस्टिट्यूट ऑफ मॉडर्न लैंग्वेजेज की आईसीसीआर हिंदी चेयर डॉ. पूनम गुप्ता के साथ डिपार्टमेंट के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। डॉक्यूमेंट्री जोधपुर शहर में तीज के दौरान

आयोजित होने वाले धींगा गवर मेला के बारे में है। धींगा गवर में महिलाएं सुखी जीवन के आशीर्वाद लेने के लिए शिव (ईसर) और उनकी पत्नी पार्वती (गणगौर) की मूर्तियों की पूजा करती हैं।

शूटिंग चैंपियनशिप में युगराज की उपलब्धि, दसवीं रैंक पर कब्जा

जयपुर। युगराज यादव शूटिंग चैंपियनशिप के टॉप टेन खिलाड़ियों में शामिल हो गए। यादव ने यह उपलब्धि इसी महीने मध्य प्रदेश में आर्मी मार्क्समैन शूटिंग रेंज महू में हुई शूटिंग चैंपियनशिप के दौरान हासिल की। इस प्रतियोगिता में देश के अलग-अलग राज्यों से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)